RNI No. MPHIN/2018/76422

बेबाकी के साथ...सच

माही की गूंज

Www.mahikigunj.in, Email-mahikigunj@gmail.com

सुविचार

अगर हम हल का हिस्सा नही है, तो हम समस्या है।
शिव खेड़ा

वर्ष-04, अंक - 11 (साप्ताहिक) | खवासा, गुरुवार 16 दिसम्बर 2021 | पृष्ठ-8, मूल्य -5 रुपए

बंधुआ मजदूरों और कलेक्टर की बातों में विरोधाभास

प्रशासन ने पहले कहा बंधुआ नहीं थे, बाद में खुद मुक्त कराने का किया प्रेसनोट जारी

जिले में आजादी के 75 वर्ष बाद भी मजदूरों की स्थिति सरकारों व सरकारी अमले पर खड़े कर रही सवाल

माही की गूंज, झाबुआ।

पिछली 9 दिसम्बर को एक खबर एकदम से सामने आई, जिसने जिला प्रशासन सहित सभी को हक्का-बक्का कर दिया। हुआ कुछ ऐसा कि 9 दिसम्बर को जिले के कुछ ग्रामीण कलेक्टोरेट कार्यालय पहुंचे कलेक्टर से मिलने के लिए। कलेक्टर को ओवदन देते हुए उन्होने बताया कि, जिले के 7 गांवों के 65 मजदूरों को महाराष्ट्र और कर्नाटक में बंधुआ मजदूर बनाकर काम कराया जा रहा है। पिछले एक माह से जिले के यह मजदूर वहां फंसे हुए है। इन मजदूरों को जिले के एक स्थानीय ठेकेदार द्वारा वहां ले जाया गया था। ग्रामीणों ने आवेदन में बताया कि, पहले इन मजदूरों को 400 रुपये प्रतिदिन मजदूरी देने का कहा गया था, लेकिन बाद में इन्हे किसी तरह की मजदूरी नहीं दी गई। पूरे समय इन मजदूरों से गन्ना कटाई काम लिया जाता रहा। इन मजदूरों को सही तरीके से खाने को भी नहीं दिया जा रहा था। रात में इन्हे कमरों में कैद कर के रखा जाता और बाहर निकलने पर धमकी दी जाती थी। इस सारी घटना की जानकारी इनमें से एक मजदूर ने चुपके से विडियो रिकार्डिंग कर घर वालों को भेजी और मजदूरों की नामजद सूची भेजकर घटना की जानकारी दी।

ग्रामीणों के आवेदन के बाद कलेक्टर ने एक टीम इन मजदूरों को छुड़वाने के लिए रवाना की। टीम में पुलिस बल के साथ गांव के लोग भी थे। ग्रामीणों को साथ लेकर कलेक्टर कार्यालय आवेदन देने पहुंची जयस संगठन से जुड़ी महिला सुमित्रा मेड़ा भी टीम के साथ थी।

कलेक्टर को दिए आवेदन में ग्रामीणों ने बताया कि, दीवाली के समय चारणपुरा का ठेकेदार अमरसिंह ताड़ गांव झवलिया, गोपालपुरा, केसरपुरा, नारंदा, मातापाड़ा, मोईवागेली और छोटा घोसलिया के महिला-पुरूष मजदूरों को वहां लेकर गया था। यह लोग बीजापुर जिले के इंडी तालुका के उमरानी गांव में काम कर रहे है। यहां पर कुछ लोगों ने इन्हे बंधुआ बनाकर हथियारबंद लोगों द्वारा इनकी निगरानी की जा रही है।

यह वह सारी जानकारी थी जो ग्रामीणों ने अपने फंसे हुए मजदूरों को लेकर जिला प्रशासन को आवेदन देकर बताई थी। इसके बाद रवाना हुई

११ दिसम्बर को बधुआ मजदूरों को लेकर झाबुआ पहुचा दल।

कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक ने खुद पहुंचकर किया स्वागत।

टीम 11 दिसम्बर को रात में इन मजदूरों को लेकर लौट आई। लौटकर आई टीम के साथ कुल 78 मजदूर थे। इनमें से जिले के 49 मजदूर और महाराष्ट्र के 29 मजदूर शामिल थे। यहां आकर मजदूरों के रिश्तेदारों ने बताया कि, वहां के प्रशासन ने उम्मीद के मुताबिक समर्थन नहीं किया। बंधुआ बनाए जाने की बात भी वह लोग नहीं मान रहे थे। इधर जिला प्रशासन ने भी मजदूरों के बंधुआ होने की बात से इंकार कर दिया। अफसरों का कहना था कि, यह लोग वहां अपनी इच्छा से काम कर रहे थे।

अब सवाल यह उठते है कि क्या बंधुआ हुए मजदूरों ने अपने रिश्तेदारों को गलत जानकारी दी या वह विडियो जो उन मजदूरों ने अपने रिश्तेदारों को भेजा वह गलत था या ग्रामीणों द्वारा प्रशासन को आवेदन में कही गई बातें झूठी थी। अगर ऐसा था तो फिर कलेक्टर ने टीम बनाकर मजदूरों को छुड़वाने के लिए क्यों भेजी...? कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने इस संबंध में बीजापुर कलेक्टर से क्यों व किस तरह की बात की। कहीं ऐसा तो नही कि, ''मेरी तुम ढाको, तुम्हारी मैं ढाकू'' वाली तर्ज पर झाबुआ कलेक्टर ने बीजापुर कलेक्टर की खराब होती छवि को बचाने का प्रयास किया। 11 दिसम्बर के अफसरों के वक्तव्य में उनका साफ कहना था कि, मजदूरों को बंधुआ नहीं बनाया गया। बावजूद इसके दो दिन बाद यानि 13 दिसम्बर को जिला जनसंपर्क कार्यालय से समाचार जारी किया जाता है कि, ''49 बंधक श्रमिक मुक्त, कलेक्टर कार्यालय परिसर में कलेक्टर सोमेश मिश्रा एवं पुलिस अधीक्षक आशुतोष गुप्ता द्वारा उनका स्वागत किया गया'' समाचार का सब टाइटल भी यह कि, ''झाबुआ से गया दल श्रमिकों को लेकर 11 दिसंबर को रात्रि लगभग 9 बजकर 30 मिनिट पर झाबुआ आया।'' माननीय मुख्यमंत्री ''मध्यप्रदेश शासन द्वारा जिला प्रशासन को बधाई प्रेषित की''।

''अपनी ढपली अपना राग'' कहावत को चरितार्थ करते हुए कलेक्टर द्वारा जनसंपर्क कार्यालय से जारी समाचारों में खूब अपनी वाह-वाही की। जनसंपर्क से जारी इस झूठे समाचार में बताया गया कि, ''इस संपूर्ण घटनाक्रम में कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी सोमेश मिश्रा को 9 दिसम्बर 2021 को 65 बंधक श्रमिकों के संबंध में जानकारी प्राप्त हुई थी। जिस पर मिश्रा ने तत्काल संज्ञान में लेते हुए श्रम विभाग को निर्देश जारी किए की तत्काल जिला बिजयापुर जाकर बंधक मजदूरों को मुक्त कराए एवं मिश्रा ने तत्काल जिला बिजयापुर के कलेक्टर से चर्चा की एवं यहां से एक दल बनाकर जिला बिजयापुर भेजा गया जो सतत श्रमिकों से समन्वय कर एवं बिजयापुर जिला प्रशासन से समन्वय कर श्रमिकों को सकुशल अपने निवास स्थान तक लाने का दायित्व सौपा गया। जिले से यह दल 9 दिसंबर 2021 को ही झाबुआ से रवाना होकर 10 दिसंबर को प्रातः 11 बजे कलेक्टर कार्यालय जिला बिजयापुर (कर्नाटक) पहुंचा। यहां पर जिले के दल द्वारा कलेक्टर महोदय से उक्त बंधक श्रमिकों के संबंध में चर्चा की एवं कलेक्टर जिला बिजयापुर द्वारा बताया गया कि, झाबुआ के कुल 49 श्रमिक कार्यरत है। इसके उपरान्त कलेक्टर से निवेदन किया की, हमें मौका स्थान तक ले जाया जाए। जिसके उपरान्त कलेक्टर जिला बिजयापुर द्वारा एसडीएम इन्डी को निर्देश दिया की मध्यप्रदेश से आए दल को मौके तक ले जाए जिसके उपरान्त दल भी मौके पर गया। इसमें 65 श्रमिकों की सूचना थी। किन्तु वहां झाबुआ जिले के वहां पर 49 ही श्रमिक थे एवं 29 श्रमिक जो महाराष्ट्र के थे। इस तरह कुल 78 श्रमिको को उनके द्वारा भी यहां से आने का निवेदन किया गया।

जिला प्रशासन बिजयापुर द्वारा कलेक्टर जिला झाबुआ से चर्चा अनुसार इस दल को पूर्ण सहयोग प्रदान किया गया एवं श्रमविभाग जिला बिजयापुर द्वारा श्रमिकों का बकाया वेतन का भी भुगतान करवाया गया एवं श्रमिकों को गंतव्य स्थान तक पहुचाने हेतु वाहन की व्यवस्था भी जिला प्रशासन बिजयापुर के द्वारा की गई। जिसके उपरान्त यह दल 10 दिसंबर की रात्रि में श्रमिकों के साथ झाबुआ के लिए रवाना हुआ एवं महाराष्ट्र राज्य में कार्यरत 29 श्रमिकों द्वारा भी अपने घर जाने की इच्छा जाहिर की गई। जिसके उपरान्त उन्हें भी बिजयापुर श्रमिकों के साथ झाबुआ तक दल द्वारा लाया जा रहा है। श्रमिकों के भोजन, पानी आदि सभी व्यवस्था दल के द्वारा की गई। सभी श्रमिक झाबुआ 11 दिसंबर को रात्रि 9 बजकर 30 मिनीट पर झाबुआ कलेक्टर कार्यालय परिसर पहुंचे। यहां पर कलेक्टर सोमेश मिश्रा, पुलिस अधीक्षक आशुतोष गुप्ता, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व झाबुआ लक्ष्मी नारायण गर्ग ने सभी श्रमिकों का स्वागत किया। कलेक्टर ने उनके सुरक्षित रूप से आने पर उन्हें बधाई दी और उनकी भोजन व्यवस्था एवं चाय- नाश्ते के संबंध में श्रमिकों से चर्चा की। श्रमिकों ने बताया कि, बहुत ही बढ़िया और सुविधाजनक तरीके से हमको यहां लाया गया है। भोजन, पानी सभी की व्यवस्था की गई थी। हम यहां आने पर बेहद खुश और प्रसन्न है और प्रशासन को धन्यवाद देते हैं। कलेक्टर ने श्रमिकों का स्वास्थ्य परीक्षण एवं टीकाकरण के लिए मुख्य चिकित्सा स्वास्थ्य अधिकारी और जिला टीकाकरण अधिकारी को निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त श्रमिकों को सुरक्षित रूप से उनके निवास स्थान पहुंचाने की व्यवस्था की गई। श्रमिकों में भारी उत्साह था। श्रमिकों द्वारा उन्हें मजदूरी का भुगतान नहीं होने एवं प्रताडऩा जो वहां दी गई थी इस संबंध में एसपी से निवेदन किया। पुलिस अधीक्षक ने कहां कि, इस संबंध में अपना आवेदन प्रस्तुत कीजिए जो भी संभव सहायता होगी हम तत्काल करेंगे।

विडंबना यह कि पहले ग्रामीण बताते है कि, हमारे मजदूर महाराष्ट्र और कर्नाटक में बंधुआ है, प्रशासन इस बात पर टीम बनाकर मजदूरों को रेसक्यू करता है। फिर प्रशासन कहता है कि, मजदूर बंधवा नहीं थे। मजदूरों के आने के दो दिन बात प्रशासन प्रेसनोट जारी करते हुए बंधुआ मजदूरों को मुक्त कराने का श्रेय लेता नजर आता है। सोने पर सुहागा यह कि, मुख्यमंत्री भी इस बात के लिए जिला प्रशासन और कलेक्टर को ट्यूटर पर बधाई देते है। यह इस जिले की बदनसीबी ही कही जाएगी कि, इस तरह के जिला अधिकारी सिर्फ अपनी ''थोथी वाह-वाही लूटने के लिए'' इस तरह की कहानियां गढ़ते है। उसे सच्चा -झूठा बताते और अपना उल्लू सीधा करते है। आजादी के 75 वर्ष बाद भी जिले के मजदूरों की यह स्थिति बहुत कुछ बयां करती है। जिले के मजदूरों का जीवन आज भी कठिनाईयों से भरा हुआ है। आजादी के 75 वर्ष होने के बाद भी उन्हे बंधुआ बनाया जा रहा है। आखिर जिले के इन आदिवासी मजदूरों को कब और किस तरह से आजादी मिलेगी या इनकी गरीबी और लाचारी का जिला प्रशासन और जिला अधिकारी यूं ही मजाक बनाते रहेंगे। जिले में इस तरह की एक वर्ष में यह दूसरी घटना है जब अन्य राज्यों से जिले के मजदूरों को बंधुआ मजदूरी से मुक्त कराया गया है। जिले के मजदूरों के साथ होती यह घटनाएं जिले में आजादी के 75 वर्ष बाद भी मजदूरों की स्थिति सरकारों व सरकारी अमले पर सवाल ही खड़े करती नजर आ रही है। क्यों जिले के मजदूरों को अपना पेट पालने के लिए अन्य राज्यों में जाना पड़ता है। इस सवाल के जवाब में हर रोज अखबारों के पन्ने भरे पड़े रहते है, भ्रष्टाचार की खबरों से कई गाथाएं लिखी जा सकती है। जिले में बढ़ते भ्रष्टाचार का ही नतीजा है कि, आज भी यहां का गरीब आदिवासी अन्य राज्यों में बंधुआ मजदूरी करने को मजबूर है। यह तो वह मामले थे जो मजदूरों की अधिक संख्या और उनकी सूझ-बूझ से उजागर हो गए वरना और ऐसे कई मजदूर होंगे जो इक्का-दुक्का ही इस तरह से बंधुआ मजदूरी में फंसे होंगे।

ग्रुप कैप्टन वरुण सिंह का निधन

भोपाल।

कुन्नूर हेलीकॉप्टर हादसे में बुरी तरह घायल हुए ग्रुप कैप्टन वरुण सिंह भी नहीं रहे, ये उस हादसे में बचे आखिरी जीवित सदस्य थे। ग्रुप कैप्टन वरुण सिंह के निधन से भारतीय वायुसेना ने एक साहसी और ज़िंदादिल फौजी को खो दिया है। उनके साथी, नाते-रिश्तेदार और पड़ोसी उन्हें इसी रूप में याद करते हैं।

कुन्नूर हेलीकॉप्टर हादसे में जीवित बचे वो एकमात्र सदस्य थे, लेकिन हादसे के बाद से वरुण बेहद गंभीर हालत में थे और लगातार लाइफ सप्रोट सिस्टम पर थे। हेलीकॉप्टर क्रैश के बाद पहले उन्हें वेलिंगटन मिलिट्री अस्पताल और फिर वहां से बंगलुरू शिफ्ट कर दिया गया था, उनके माता-पिता भोपाल में रहते हैं, हादसे से ठीक 14 दिन पहले वो भोपाल में माता-पिता से मिलने आए थे।

पति से बढ़ा विवाद, नेता की पत्नी ने फंदे से लटककर दे दी जान

जबलपुर। भाजपा के रानी दुर्गावती मंडल अध्यक्ष की पत्नी के आत्महत्या करने का मामला सामने आया है। परिजनों ने मृतिका के पति पर प्रताड़ना का आरोप लगाया है। पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर ली है और आत्महत्या के कारणों का पता लगा रही है। स्थानीय पुलिस अनुसार, मदन महल कालीमठ के पास रहने वाले सुरेंद्र सैनी रानी दुर्गावती वॉर्ड के मंडल अध्यक्ष हैं। मृतिका संगीता सैनी से सुरेंद्र का विवाह 12 वर्ष पहले हुआ था। शादी के बाद से ही सुरेंद्र और संगीता में जरा-जरा सी बात पर विवाद होता था। नौबत तलाक तक पहुंच गई थी। घटना वाले दिन भी पति पत्नी में किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। शाम के वक्त संगीता ने अपने कमरे में फांसी का फंदा लगाकर जान दे दी।

पुलिस को मृतिका के कमरे से एक सुसाइड नोट भी बरामद हुआ है। पुलिस इस सुसाइड नोट के आधार पर अपनी जांच कर रही है।

निवेशकों को लुभाने और रक्षा सहयोग बढ़ाने के लिए पहली बार पीएम जा सकते हैं कुवैत

नई दिल्ली, एजेंसी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जल्द ही कुवैत की यात्रा पर जा सकते हैं। खास बात यह है कि, पिछले 40 वर्षों में देश के किसी प्रधानमंत्री की यह पहली कुवैत यात्रा होगी। बताया जा रहा है कि, कुवैत जाने की पीएम मोदी की यह योजना पश्चिम एशिया के देशों से संबंधों को मजबूत करना और रणनीतिक साझेदारी को नए मुकाम पर ले जाने का एक रणनीतिक हिस्सा है। तेल के क्षेत्र में कुवैत एक संपन्न देश है और भारत में तेल सप्लाई का एक अहम स्त्रोत भी है। बताया जा रहा है कि, इस यात्रा के दौरान पीएम मोदी कुवैती निवेशकों को भारत आने का न्योता दे सकते हैं और इसके अलावा कुवैत से रक्षा सहयोग बढ़ाने की भी कोशिश रहेगी।

बताया जा रहा है कि, पीएम मोदी जनवरी के पहले हफ्ते में कुवैत की यात्रा पर जा सकते हैं। इससे पहले साल 2015 में पीएम ने अन्य सभी 5 गल्फदेशों का दौरा किया था। उस वक्त पीएम कुवैत नही जा सके थे। बता दें कि करीब एक मिलियन भारतीय कुवैत में हैं। इस यात्रा के दौरान दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने की कोशिश होगी।

370 हटने के बाद 7 लोगों ने जम्मू कश्मीर में खरीदी जमीन

नई दिल्ली, एजेंसी।

सरकार ने संसद में बताया कि, संविधान के अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद जम्मू कश्मीर में अब तक इस केंद्र शासित प्रदेश के बाहर के व्यक्तियों ने कुल 7 भूखंड खरीदे हैं और ये सभी भूखंड जम्मू डिवीजन में हैं। केंद्रीय गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय ने राज्यसभा में एक सवाल के लिखित जवाब में यह जानकारी दी।

उनसे प्रश्न पूछा गया था कि, क्या राज्य के बाहर के किसी व्यक्ति ने अब तक जम्मू और कश्मीर में जमीन खरीदी है ओर यदि खरीदी है तो इसका ब्योरा क्या है। इसके जवाब में राय ने कहा, जम्मू और कश्मीर सरकार द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना के अनुसार, जम्मू और कश्मीर से बाहर के व्यक्तियों द्वारा कुल सात भखूंड खरीदे गए हैं। ये सभी सात भूखंड जम्मू डिवीजन में स्थित हैं।

गौरतलब है कि, अगस्त 2019 में केंद्र सरकार ने जम्मू और कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले संविधान के अनुच्छेद 370 के प्रावधानों को निरस्त कर दिया था और राज्य को दो केन्द्र शासित प्रदेशों जम्मू एवं कश्मीर और लद्दाख में बांट दिया था। जम्मू और कश्मीर में जब अनुच्छेद 370 लागू था तब दूसरे राज्यों के लोग वहां जमीन नहीं खरीद सकते थे। सिर्फराज्य के लोग ही वहां पर जमीन और अचल संपत्ति खरीद सकते थे।

केंद्र सरकार ने जब अनुच्छेद 370 समाप्त किया था तब इस कानून को राज्य के विकास में सबसे बड़ी रुकावट बताया और दावा किया था कि, अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद राज्य के बाहर के लोग भी वहां जमीन खरीद सकेंगे और वहां निवेश हो सकेगा।

भारत के उपाय डब्लुटीओ समझौतों के दायित्वों के अनुरूप हैं- केंद्र

नई दिल्ली, एजेंसी।

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने एक बड़ी सुचना दी है। मंत्रालय ने कहा कि, चीनी क्षेत्र में, भारत के मौजूदा और चल रहे नीतिगत उपायों पर विश्व व्यापार संगठन (डब्लुटीओ) पैनल के निष्कर्षों का कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। उन्होंने आगे कहा कि, भारत का मानना है कि, उसके उपाय डब्लुटीओ समझौते के तहत उसके दायित्वों के अनुरूप हैं। एक अधिकारिक रिलीज में वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने कहा कि, भारत ने अपने हितों कि रक्षा के लिए सभी आवश्यक उपाय शुरु कर दिए हैं और साथ ही अपने देश के किसानों के हितों कि रक्षा के लिए रिपोर्ट के खिलाफ विश्व व्यापार संगठन में अपील दायर की है। चीनी के क्षेत्र में भारत सरकार के लिए किसानों का हित सर्वोपरि है, जिसे देखते हुए कई खास कदम उठाए जा रहें हैं।

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने कहा, 'यह ध्यान दिया जा सकता है कि, 2019 में, ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील और ग्वाटेमाला ने डब्ल्यूटीओ में चीनी के क्षेत्र में भारत के कुछ नीतिगत उपायों को चुनौती दी गई थी। उन्होंने गलत तरीके से दावा किया था कि, गन्ना उत्पादकों को भारत द्वारा प्रदान की जाने वाली घरेलू सहायता विश्व व्यापार संगठन द्वारा दी गई सीमा से अधिक है और भारत चीनी मिलों को निषिद्ध निर्यात सब्सिडी प्रदान करता है।

शिक्षा में जवाबदारों की अनदेखी से देश का भविष्य अंधकार में

जन शिक्षक नही देते कोई ध्यान

माही की गूंज, भामल। नारायण पालरा

डिजिटल इंडिया का सपना सजाई बैठी सरकार आए दिन शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए नित नई योजनाओं को शुरू कर रही है और शिक्षकों को भी पूरा वेतन देकर बच्चों के भविष्य का दायित्व सौंपा गया। किंतु क्षेत्र के शिक्षकों की कामचोरी नई पीढ़ी को अशिक्षा की ओर ले जा रही है, जिस और ऊपरी लेवल के अधिकारी भी ध्यान नहीं देते हुए अपने कार्यों में मस्त दिखाई देते हैं। जिले के ग्रामीण इलाकों में आज भी शिक्षक समय से पहले स्कूल बंद करके अपने घर की ओर निकल जाते हैं, और बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं।

कुछ ऐसा ही मामला कुकड़ीपाड़ा संकुल के अंतर्गत आने वाली प्राथमिक विद्यालय कलालिया खाली में सामने आया। माही की गूंज टीम 14 दिसम्बर को स्कूल पहुंची तो 2 बजकर 55 मिनट पर स्कूल बंद मिला। वहां के ग्रामीणों से पूछा गया तो कहा कि, थोड़ी देर पहले ही सर स्कूल बंद करके चले गए। ग्रामीणों ने बताया कि, यहां एक शिक्षक एवं शिक्षिका पदस्थ हैं, लेकिन हमेशा समय से पहले ही स्कूल बंद करके चले जाते हैं, जिसके कारण बच्चो की भी सही से पढ़ाई-लिखाई नहीं हो पा रही है। बच्चों ने बताया कि, हमेशा की तरह ही सर ऐसे ही छुट्टी कर के निकल जाते हैं।

मध्यान भोजन भी नही मिल पा रहा समय पर

कोरोना काल से बंद स्कूल अब खुले तो सरकार ने फिर से वही व्यवस्था की ओर मध्यान भोजन भी सुचारू रूप से शुरू करने के आदेश दिए थे, लेकिन कई जगह बच्चो को गर्म भोजन नही मिल पा रहा है। जिनकी जिम्मेदारी है देख-रेख करने की वह भी इस और कोई ध्यान ही नही दे रहे है। जिम्मेदार अधिकारियों की लापरवाही के कारण बच्चों को मध्यान भोजन भी नसीब नहीं हो पा रहा है, तो वही सरकार की मंशा पर भी पानी फिर रहा है। प्राथमिक विद्यालय कलालिया खाली में 53 बच्चे दर्ज है, इनका भविष्य एक शिक्षक एवं शिक्षिका के भरोसे है।

बच्चों द्वारा बताया गया कि, हमें 3-4 दिन में एकबार मध्यान भोजन मिल पाता है, सर को कहते हैं तो सर भी कहते है हमने समूह वालों को कह दिया लेकिन वह क्यों लेकर नहीं आ रहे हैं वो वही बता सकते है। यहां हरिओम बचत समूह द्वारा मध्यान भोजन दिया जाता हैं।

हैंडवाश यूनिट भी चढ़ा भ्रष्टाचार की भेंट

भारत सरकार द्वारा सभी स्कूलों में 14 हजार 600 रुपए शाला प्रबंधन समिति के खाते में हैंडवाश यूनिट बनाने के लिए दिए गए थे लेकिन कलालिया खाली प्राथमिक विद्यालय में हैंडवाश यूनिट पर न तो टाइल्स लगी है, न तो नल दिखाई दे रहे हैं, तो हैंडवाष यूनिट बनाई भी ऐसी की अभी से ही टूटने की कगार पर पहुच चुकी है।

ग्रामीणों ने बताया कि, यहां घटिया किस्म की हैंडवाष यूनिट बनाई है, जिम्मेदार प्रबंधक द्वारा भी इस ओर कोई ध्यान ही नहीं दिया गया जिसके कारण यह हैंडवाष यूनिट उपयोग विहीन है।

जवाबदारो की जुबानी

प्रभारी शिक्षक सोहन कटारा का कहना है, मैं तो वैक्सीनेशन सेंटर पर आ चुका हूं, इसलिए स्कूल बंद करनी पड़ी और मैडम तो 2 दिन की छुट्टी पर है।

सीएससी रमेश मुणिया का कहना है कि, मेरे पास तो 36 स्कूल है मैं कहां-कहां निरीक्षण करू, मेरे पास भी फोन आया था कि, कोई मीडिया वाले आए हैं तो मैंने भी उनको कह दिया कि, आप जवाब देना इसमें मैं क्या करूं, रही बात मध्यान भोजन की तो मैं मेरे पास आप के माध्यम से बताया गया है तो मैं मामले को दिखा देता हूं।

सांसद ने लोकसभा में 8 वे-नेशनल हाईवे पर लॉजिस्टिक हब की स्वीकृति के लिए उठाई मांग

माही की गूंज, झाबुआ।

संसद में रतलाम-झाबुआ-अलीराजपुर लोकसभा के सांसद गुमान सिंह डामोर द्वारा शून्य काल में लोकसभा क्षेत्र से गुजर रहे दिल्ली मुंबई 8 लेन एक्सप्रेस हाईवे जो रतलाम के पास से हो कर गुजर रहा है को लेकर संसद में बोलते हुए सांसद गुमानसिंह ने कहा कि, हमारी लोकसभा में एक्सप्रेस वे की कुल लंबाई लगभग 90 कीमी है तथा एक्सप्रेस वे से नवंबर 2022 तक बनकर तैयार होना लक्षित है। सांसद गुमानसिंह डामोर ने कहा, रतलाम नगर बहुत तेजी से महानगर बनने की ओर अग्रसर हो रहा है। सड़क मार्ग, रेल मार्ग तथा हवाई मार्ग से भी रतलाम जुड़ा हुआ है। पानी और बिजली की उपलब्धता अच्छी है। अतः औद्योगिक विकास हेतु यह उपयुक्त स्थल है। रतलाम नगर तथा 8 लेन एक्सप्रेस-वे के बीच औद्योगिक पार्क के निर्माण हेतु मध्यप्रदेश सरकार द्वारा 4 हजार एकड़ जमीन आरक्षित कर मध्यप्रदेश औद्योगिक विकास केंद्र को हस्तांतरित कर दी गई है। इस औद्योगिक पार्क में एक हजार एकड़ जमीन टैक्सटाइल पार्क के लिए तथा एक हजसर एकड़ जमीन लॉजिस्टिक हब के लिए आरक्षित की गई है। केंद्र सरकार के साथ लॉजिस्टिक हब के लिए एमओयू साइन हो चुके हैं। उन्होने सदन के माध्यम से केंद्र सरकार से मांग करते हुए कहा कि, रतलाम में निकट टैक्सटाइल पार्क तथा लॉजिस्टिक हब निर्माण की प्रक्रिया जल्द शुरू की जाए ताकि प्रदेशवासियों का उसका लाभ हो सके। जिससे अंचल में अधिकाधिक रोजगार के अवसर तो प्राप्त होगें ही साथ ही पूरे संसदीय क्षेत्र का तेजी से समग्र विकास होगा।

आज विद्युत उपभोक्ता शिकायत निवारण फोरम का आयोजन

माही की गूंज, झाबुआ। विद्युत उपभोक्ता शिकायत निवारण फोरम इंदौर बेंच द्वारा 16 दिसम्बर को मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड झाबुआ मुख्यालय पर दोपहर ढाई बजे से साढ़े 3 बजे तक लिखित परिवाद की सुनवाई हेतु शिविर लगाया जाएगा। विद्युत कंपनी झाबुआ के कार्यपालन यंत्री सुखदेव मंडलोई ने बताया कि विद्युत नियामक आयोग यह चाहते है की सभी पक्ष मिलकर विद्युत उपभोक्ताओं की शिकायतों का आपसी सहमति एंव न्यायिक पद्धति से तवरित निराकरण करे। ताकि विद्युत उपभोक्ताओं का अधिक से अधिक विश्वास विद्युत कंपनी को प्राप्त हो सके। यदि किसी शिकायत का निराकरण स्थानीय स्तर पर तुरंत किया जाना संभव नहीं होता है तो ऐसे प्रकरणों को नियमानुसार पंजीबद्ध कर उभय पक्ष को सुनवाई का अवसर दिया जाकर उसका निराकरण 45 से 60 दिवस में होगा।

शासकीय अध्यापक संगठन का प्रांतीय अधिवेशन 19 दिसंबर को भोपाल में

माही की गूंज, झाबुआ।

शासकीय अध्यापक संगठन का प्रांतीय अधिवेशन 19 दिसंबर रविवार को गांधी भवन प्रांगण पॉलिटेक्निक चौराहे के पास भोपाल में आयोजित होगा।

उक्त जानकारी देते संगठन के जिलाध्यक्ष संजय सिकरवार ने बताया कि, शिक्षा, शिक्षार्थी, शिक्षालय और शिक्षक के सर्वांगिण विकास को अपना मुख्य लक्ष्य मानने वाले शासकीय अध्यापक संगठन के प्रांताध्यक्ष राकेश दुबे के मार्गदर्शन में यह प्रांतीय अधिवेशन एवं शैक्षिक संगोष्ठी आयोजित की जा रहीं है। जिसका उद्देश्य राज्यशिक्षा सेवा में नियुक्त अध्यापक संवर्ग की सेवा अवधि की गणना, उसके प्रथम नियुक्ति दिनांक (शिक्षाकर्मी, गुरुजी, संविदा शिक्षक के पद पर नियुक्ति) से समस्त स्वत्वों हेतु की जाने, ताकि वर्ष 2006 में नियुक्त संविदा शिक्षक को वर्ष 2018 से क्रमोन्नति मिल सके तथा संपूर्ण संवर्ग को वरिष्ठता से जुड़े ग्रेज्युटी, पदोन्नति, पुरानी परिवार पेंशन बहाली आदि प्रत्येक मुद्दे पर लाभ प्राप्त हो सके। जनजातीय विभाग के आर्थिक प्रकरण एवं अनुकंपा नियुक्ति की विसंगतियों को दूर करते हुए जनजातीय विभाग को स्कूल शिक्षा विभाग में मर्ज किया जाने आदि विषयों को लेकर होगा।

प्रांतीय अधिवेशन को सफल बनाने की अपील

शासकीय अध्यापक संगठन से जुड़े अशोक बुधवंत, गोपाल राठौर, प्रदुम जैन, महेंद्र कछावा, जयकरणसिंह बघेल, भजन डामोर, संजय डामोर, धर्मेंद्र पंचाल, भंवरलाल, भरत गारी, हेमचन्द्र अमलियार, सैयद जुल्फीकार, प्रेमचन्द्र पाटीदार, लक्ष्मण कटारा, अमरसिंह कटारा, पवन कटारा, सुभाष राजपूत, माधवसिंह, रमन लाल नायक, पूजा कोठारी शीला सिसोदिया, उर्मिला तोमरअ आदि ने जिले के समस्त अध्यापकों, शिक्षाकर्मी, गुरूजी, संविदा शिक्षक-शिक्षिकाओं आदि से इस प्रांतीय अधिवेशन में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने हेतु अपील की है।

अवैध शराब के परिवहन में पकड़े गए चार आरोपी हुए दोष मुक्त

माही की गूंज, झाबुआ। मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी झाबुआ नदीम खान ने राजू कलाल, विजय सोनी, विष्णु एवं रज्जू को अनाधिकृत रूप से 1644 बल्क लीटर शराब के संग्रहण एवं परिवहन के आरोप में दोष मुक्त किया है।

पूरा मामला इस प्रकार है कि, कथित रूप से विगत 9 जून 2016 को पिटोल बोर्डर पर अवैध शराब से भरी एक पिकअप ट्रक में करीब 1644 बल्क लीटर अंग्रेजी शराब की तस्करी करने की जानकारी मुखबिर से पुलिस अधीक्षक कार्यालय को प्राप्त हुई थी। जिस पर एसपी कार्यालय से गठित दल द्वारा पिटोल बैरियर पर एक पिकअप ट्रक क्रमांक जीजे-20, बी-5204 को गुजरते हुए पकड़ा एवं रोका गया। वाहन में सवार आरोपियों ने उक्त शराब गुजरात के भाटीवाड़ा इलाके में ले जाना बताया। बाद शराब परिवहन का लायसेंस नहीं होने से आरोपीगण के विरूद्ध मप्र आबकारी अधिनियम की धारा 34(2), 36 के अनुसार पुलिस थाना झाबुआ में प्रकरण दर्ज किया गया। पंचनामा के अनुसार उक्त शराब पिटोल की दुकान से भरकर ले जाना प्रकट किया गया और आरोपी को गिरफ्तार कर अभियोग-पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। वर्ष 2016 से प्रकरण में न्यायालय में सुनवाई चलती रहीं तथा इस दौरान न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत साक्षीगण के साक्ष्य का विशलेषण करने के बाद न्यायालय ने विगत 8 दिसंबर, 2021 को पारित निर्णय में यह माना कि अभियोजन अपने प्रकरण को संदेह को परे आरोपीगण के विरूद्ध प्रमाणित करने में असफल रहा। जिस पर माननीय न्यायलय ने निर्णय लेते हुए राजू कलाल, विजय सोनी, विष्णु एवं रज्जू को आरोपो से दोष मुक्त किया। राजू कलाल एवं विजय सोनी की ओर से प्रकरण की पैरवी युवा अभिभाषक नरेन्द्रसिंह सोलंकी ने की वहीं विष्णु एवं रज्जू की ओर से अभिभाषक मनीष कानूनगो ने प्रकरण में पैरवी कर इन्हें दोष मुक्त करवाया।

खिलाड़ियों का रहा शानदार प्रदर्शन, दी गई शुभकामनाएं

माही की गूंज, झाबुआ। जनजातिय कार्य विभाग की संभागीय पश्चिम क्षेत्रीय स्तर की एथेलेक्टिस प्रतियोगिता का आयोजन खेल परिसर आलीराजपुर के मैदान पर हुआ। जिसमें झाबुआ जिले के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया।

उक्त प्रतियोगिताओं में झाबुआ जिले के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर आगामी विभागीय राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में अपना स्थान सुनियोजित किया। जिले के 8 खिलाड़ियों ने प्रथम स्थान एवं 7 खिलाड़ियों ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। इस उपलब्धि पर अधिकारियों ने शुभकामनाएं प्रेषित की है।

जिला सहकारी केंद्रीय बैंक में बचत पखवाड़ा मनाया गया

बैंक के सम्मानित व वरिष्ठ बड़े अमानतदारों का सम्मान किया गया

माही की गूंज, झाबुआ।

जिला सहकारी बैंक मर्यादित झाबुआ के महाप्रबंधक आर एस वसुनिया जी के आदेश एवं मार्गदर्शन अनुसार जिला झाबुआ एवं अलीराजपुर शाखा मे 1 से 15 दिसंबर 2021 तक बचत पखवाड़े का आयोजन किया। इसी कडी मे शाखा आलीराजपुर में बचत पखवाड़े का आयोजन किया गया। आयोजन में बैंक के सम्मानित एवं वरिष्ठ बडे अमानतदारो का शाल.श्री फल भेंटकर तथा पुष्पहार से सम्मान किया गया।

उक्त कार्यक्रम मे सेठ मकू परवालए सेठ मुस्तन इब्राहिम किराणाए श्रीनिवास गुप्ताए कमल जैनए कृष्णकांत माहेश्वरीए पिंकेश जैनए श्रीमती उषा जोशी एवं रेणुका तंवरए श्री एडवर्ड आदि का शाल श्रीफल से सम्मान जेएस भाभरए शैलेष थैपड़ियाए महेंद्रसिंह राठौर आदि ने किया। बुधवार को शाखा में 30 लाख अमानत जमा हुई। कार्यक्रम मे बैंक नोडल अधिकारी राजेश राठौड़ ने बैंक द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी तथा बताया कि जिला सहकारी बैंक केद्रित बैंक मर्यादित झाबुआ की झाबुआ एण्वं अलीराजपुर जिले में कुल 20 शाखाए संचालित है। दोनों जिले में 2 लाख 95 हजार 582 अमानतदारों की 455ण्99 करोड़ अमानत जमा है तथा 750 करोड़ का ऋण वितरण होकर 743 करोड़ बकाया है। जिला अलीराजपुर के 1 लाख 23 हजार 52 खातेदारों का 166ण्89 करोड़ अमानत जमा है। सीसीबी बैंक अन्य बैंकों से ऋण पर अधिक ब्याज देती है।

सीसीबी बैंक के पास लॉकर सहित अन्य कई तकनीकी सुविधा

बैंक के पास लॉकर सुविधा भी उपलब्ध हैए लॉकर किराया भी बहुत कम है। छोटा लॉकर 700 रूण् मीडियम 1500 रूण् तथा बडा लॉकर 2500 रूण् का वार्षिक किराया है। श्री राठौड़ द्वारा बताया गया कि बैंक के महाप्रबंधक आरएस वसुनिया का भविष्य में सभी शाखाओं में एटीएम तथा मोबाईल बैंकिंग एवं आभूषण तारण ऋण भी प्रारंभ करने का लक्ष्य है। सभी अमानतदारों ने बैंक के कार्य व्यवहार आदि की प्रशंसा की तथा अपने सुझाव भी दिए।

यह रहे उपस्थित

अंत में आभार शाखा प्रबंधक जेएस भाभर ने माना। इस अवसर पर नोडल अधिकारीए राजेश राठौड़ए शाखा प्रबंधकए शैलेश थैपडियाए महेंद्रसिंह राठौर पर्यवेक्षकए संजय अवासियाए डीएस डोडवे संस्था प्रबंधकए श्री परमार संस्था प्रबंधकए देवेन्द्र पाठकए विजय नासाए मेहुलए मुलेश आदि सहित अन्य कर्मची और स्टॉफउपस्थित रहा।

नाली के किनारे अतिक्रमण कर लगाई गुमटी

माही की गूंज, झाबुआ। रोहीदास मार्ग में 14 दिसंबर की मध्य रात्रि एक व्यक्ति ने सड़क किनारे एवं नाली से सटकर गुमटी लगाकर अतिक्रमण किया। जिसकी शिकायत आसपास के रहवासियों ने करते हुए नगरपालिका को इस मामले से अवगत करवाया। उक्त व्यक्ति ने पूर्व में भी यहां गुमटी लगाकर अतिक्रमण किया था, लेकिन जागरूक नागरिकों की शिकायत पर नपा एवं राजस्व अमले ने हटवा दिया था। अब पुनः संबंधित व्यक्ति द्वारा यहां नगरपालिका की सार्वजनिक जमीन पर अतिक्रमण करने की नियत से गुमटी लगाई गई है। जहां गुमटी लगाई गई है, वह सरकारी जमीन होकर वहां पूर्व में नगरपालिका का प्लास्टिक का बाथरूम लगा होने के साथ ही राह चलते लोग इस जगह का उपयोग सुविधा घर के रूप में करते है। उक्त जगह पर गुमटी के पास नाली पर एक ठेलागाड़ी भी लगाई गई है। डबल जमीन रोकने के प्रयास से यह अतिक्रमण फिर से किया गया है।

गुरूदेव का साहित्य भेंट करने के साथ दीप यज्ञ का हुआ आयोजन

मोक्ष एकादशी, गीता जयंती एवं शांतिकुंज हरिद्वार की प्रमुख शैलदीदी पंड्या का जन्मदिवस मनाया

माही की गूंज, झाबुआ।

अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार के तत्वावधान में शहर के कॉलेज मार्ग स्थित गायत्री शक्तिपीठ पर 14 दिसंबरए बुधवार को मोक्ष एकादशीए गीता जयंती एवं शांतिकुंज हरिद्वार की प्रमुख डॉण् शैलदीदी पंड्या का 68वां जन्मदिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर शक्तिपीठ पर शाम को मंदिर परिसर में रैली निकालकर सभी गायत्री परिजनों को गुरूदेव का साहित्य भेंट करने के साथ दीप यज्ञ रखा गया। शांति पाठ के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

जानकारी देते हुए गायत्री परिवार के जिला समन्वयक पंण् घनश्यामदास बैरागी ने बताया कि गायत्री परिवार द्वारा प्रतिवर्ष मोक्ष एकादशी को गीता जयंती के रूप में हर्षोल्लासपूर्वक मनाया जाता है। इस बार इस दिन शांतिकुंज हरिद्वार की प्रमुख शैलदीदी पंड्या का जन्मदिवस होने से उत्साह दुगुना रहाए लेकिन शासन.प्रशासन के कोविड के नियमों का पालन करते हुए एवं वर्तमान में त्रि.स्तरीय पंचायत के चलते लगी आचार संहिता के मद्देनजर शहर में शोभायात्रा नहीं निकाली गई।

झाबुआ के कॉलेज मार्ग स्थित गायत्री शक्तिपीठ पर दीप यज्ञ कर गायत्री परिजनों ने गुरूदेवजी का सद्.साहित्य सिर पर अंगीकार किया।

जिले के प्रत्येक घरों में होगी गुरूदेवजी के सद्.साहित्य की स्थापना

नारी जागरण अभियान की जिला संयोजिका श्रीमती नलिनी बैरागी ने बताया कि संध्याकाल 7ण्30 बजे मंदिर परिसर में गुरूदेव पंण् श्री राम शर्मा आचार्यजी का साहित्य सिर पर लेकर रैली निकालकर बाद जिले के प्रत्येक घरों में गुरूदेव के सद्.साहित्य की स्थापना हेतु गायत्री परिवारजनों को प्रदान किए गए। इस सद्.साहित्य के माध्यम से जिलेवासियों में जन.चेतना का संचार होगा और लोग सद् प्रवत्ति की ओर अग्रसर होंगे। इस दौरान गायत्री परिवार से जुड़ी महिलाओं ने दीप यज्ञ किया।

यह रहे उपस्थित

बाद गायत्री परिवार की ट्रस्टी वरिष्ठ प्रेमलता शुक्ला ने गीताजी के 15वें अध्याय का मुखाग्रह अर्थात वाचन किया। अंत में आरती कर सभी को प्रसाद का वितरण किया गया। उक्त कार्यक्रम में गायत्री परिवार से जुड़े केके वर्माए प्रकाश डावरए केके शर्माए शांतिलाल लश्करीए मनोरमा डावरए कृष्णा शर्माए विजया बजाजए ललिताए किरण सोनीए प्रेमलता शुक्लाए हरिप्रिया निगम आदि उपस्थित थी।

अंतर जिला -18 क्रिकेट स्पर्धा में खंडवा को हराकर धार जिला बना विजेता

तमिलनाडू के केन्नूर में शदीह हुए जवानो और दिवगंतों को दी गई भावभीनी श्रद्धांजलि

माही की गूंज, झाबुआ।

इंदौर डिविजनल क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा प्रायोजित एवं झाबुआ जिला क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा आयोजित अंतर जिला-18 क्रिकेट प्रतियोगिता का 14 दिसंबर मंगलवार को समापन हुआ। समापन के पूर्व खेले गए मुकाबले में डीसीए धार ने डीसीए खंडवा को एक तरफा मुकाबले में 10 विकेट से पराजित कर विजेता का खिताब अर्जित किया।

उक्त जानकारी देते हुए जिला क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव नटवरसिंह राठौर ने बताया कि, फायनल मैच में मैन ऑफद मैच अक्षत गौयल धार, स्पर्धा के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज मानस जैन खंडवा, सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज लक्ष्य पटेल खंडवा एवं आदित्य सक्सेना धार को प्रतियोगिता का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी घोषित कर पुरस्कृत किया गया। समापन अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में आदिवासी विकास विभाग के सहायक आयुक्त प्रशांत आर्य उपस्थित रहे। अध्यक्षता डीसीए झाबुआ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष बहादुरसिंह चौहान ने की। इस अवसर पर डीसीए झाबुआ के पदाधिकारियों में सचिव नटरवरसिंह राठौर, कोषाध्यक्ष पर्वतसिंह राठौर, यशवंत त्रिवेदी, सुनिल चौहान, कुलदीप धाबाई, योगेश गुप्ता, विनोद बढ़ई, विजय राठौर, मनीष कोठारी एवं श्रीमती अर्चना राठौर भी उपस्थित रहीं।

अतिथियो द्वारा विजेता एवं उप-विजेता टीम को ट्राफी तथा अन्य पुरस्कार प्रदान किए गए। समापन पर पिछले दिनों तमिलनाडू के केन्नूर में हुए हैलीकॉप्टर क्रेश में शहीद हुए देश के सर्वोच्च सुरक्षा अधिकारी बिपिन रावत, उनकी धर्मपत्नि मधुलिका रावत सहित समस्त दिवंगतजनो को दो मिनिट का मौन रखकर अश्रुपूरित श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

मुद्दा धर्मांतरण का: जिले की फिजा में धर्म को आड़ बनाकर घोला जा रहा जहर...

आदिवासियों के ही दो गुट धर्म की लड़ाई में आमने-सामने

आरोप-प्रत्यारोप और समर्थन-विरोध की जंग जमकर चल रही सोशल मीडिया पर

माही की गूंज, झाबुआ।

इन दिनों जिले का माहौल धर्म और धर्मांतर को लेकर गरमाया हुआ है। ईसाई मिशनरी अपने धर्म का प्रसार कर रही है, तो हिन्दूवादी संगठन उनका विरोध कर रहे है। दोनों ही संगठन अपने-अपने स्तर पर गांवों, फलियों में बैठकें कर रहे है। दोनों ही धार्मिक संगठनों की रस्सा कसी में निशाना एक ही बन रहा है, वह है आदिवासी समाज। जिले में लगातार बढ़ते जा रहे धर्मांतरण को रोकने के लिए एक ओर विश्वहिन्दू परिषद है तो दूसरी ओर ईसाई मिशनरी लगातार जिले में वर्षों से अपना धर्म प्रसार व सामाजिक कार्य करती आ रही है। पिछले कुछ वर्षों में ईसाई मिशनरी का काम बहुत तेजी से बढ़ा है। जिले की एक बहुत बड़ी आबादी ईसाई समुदाय में शामिल हो चुकी है, लेकिन यह सब सिर्फ धार्मिक प्रकियाओं के तहत ही हुआ है। प्रशासनिक प्रक्रिया में किसी तरह का कोई बदलाव नहीं आया है। सरकारी रिकार्ड पर कंवर्ट आदिवासी, ईसाई नहीं है, बल्कि वे अब भी जनजाति समाज का हिस्सा ही है। जिले की स्थिति कुछ ऐसी हो चली है कि, कहीं-कहीं तो गांव के गांव अपना धर्म छोड़कर ईसाई धर्म में शामिल हो चुके है। अधिकतर ग्रामीण क्षेत्रों में इसका रेशो 75 प्रतिशत से भी अधिक है। यह तो संभव नहीं है कि, यह कार्य एक या दो वर्षों में हुआ होगा या लोगों को बहला-फुसला कर उन्हे अपने धर्म में शामिल किया गया होगा। क्योंकि जो आदिवासी, ईसाई धर्म को अपना चुके है वे हिंदूवादी संगठनों के लाख विरोध के बावजूद ईसाई धर्म के सपोर्ट में खड़े है। इनका मानना है कि, ईसाई मिशनरी ने इस जिले के गरीब तबके को जो सुविधाएं उपलब्ध कराई वह प्रशासन या सरकार अब तक मुहैया नहीं करवा पाए है। अच्छी शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य ऐसे कई कार्य ईसाई मिशनरी ने जिले में किए है। मगर विहिप इसके बिल्कुल विपरीत ईसाई मिशनरी पर यह आरोप लगा रहा है कि, ईसाई मिशनरी द्वारा भोले-भाले आदिवासियों को बहला-फुसलाकर धर्मांतरण करवाया जा रहा है, यह नहीं होना चाहिए। हालांकि जिले की एक बड़ी आबादी का धर्मांतरित होना हिन्दुवादी संगठनों पर भी सवालिया निशान खड़े करता है।

ऐसा नहीं है कि, पिछले वर्षों में धर्मांतरण का विरोध जिले में नहीं रहा है, लेकिन यह विरोध मात्र खानापुर्ति ही साबित हुआ है। क्योंकि लाख विरोधों के बावजूद हिन्दूवादी संगठन अपनी साख जिले में बचाने में नाकाम ही साबित हुए है। पिछले लगभग एक दशक में हिन्दुवादी संगठनों की जिले में उपस्थिति कमजोर ही साबित हुई है। अब जाकर हिन्दुवादी संगठनों ने अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई है। अब विहिप अचानक किसी जादूई जिन्न की तरह निकल कर आया और धर्मांतरण के खिलाफ रैलियां करना शुरू की, जबकि ईसाई मिशनरी हमेशा ही अपने काम को अंजाम देती रही है। मार्च 2021 से विश्व हिन्दू परिषद ने जिले में अपनी उपस्थिति दर्ज कराते हुए धर्मांतरण के खिलाफ बिगुल फूंका। लगातार ग्रामीण क्षेत्रों में रैलियां और सभाएं करना शुरू की। जिसके बाद लगातार रैलियों और सभाओं का दौर जिले में चल पड़ा। जिले में चल रहे कई चर्च की शिकायत विहिप ने जिला प्रशासन से की। प्रशासन ने भी इसे हल्के में लेते हुए जांच का आश्वासन देकर कार्रवाई का भरोसा दिला दिया। जब दबाव बढ़ा तो प्रशासन ने पिछले दिनों जिले में धर्मांतरण को लेकर दो बड़ी कार्रवाई की गई। जिसमें राणापुर के पास से 6 लोगों को धर्मांतरण का प्रयास करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। कुछ महीनों पूर्व भी इसी तरह की कुछ ओर जगहों पर कार्रवाई की गई थी। विहिप के कुछ ग्रामीण कार्यकर्ताओं ने कुछ सभाओं को रूकवाया था। सभा करने वालों पर आरोप था कि, वह चंगाई समारोह के नाम पर आदिवासियों का धर्म परिवर्तन करवा रहे है। अपने कार्य को लेकर जिले का विहिप संगठन इन दिनों राष्ट्रीय स्तर तक चर्चा में है। विहिप ने प्रशासन को 56 पादरियों की सूची देकर धर्मांतरण के मामले दर्ज करने की मांग की थी। विहिप संगठन का दावा है कि, अधिसूचित क्षेत्र में किसी तरह की धार्मिक सभा गांवों में नही की जा सकती। धर्म स्थल और प्रार्थना घर भी नहीं बनाए जा सकते, लेकिन जिले में यह सब हो रहा है। विहिप के इस वकत्व के हिसाब से जिले में किसी भी धर्म के किसी भी प्रकार के धर्म स्थल या प्रार्थना घर नहीं बनाए जा सकते। अगर यह सही है तो फिर सवाल उठता है कि, आदिवासी समाज किस धर्म का मानने वाला है। चूंकि धर्म प्रचार तो हिन्दुवादी संगठन भी कर रहे है। अगर आदिवासी समाज हिन्दुत्व या सनातनी धर्म से है तो फिर इसका प्रचार-प्रसार करने की जरूरत क्यों पड़ रही है या धर्मांतरण का विरोध क्यों करना पड़ रहा है...?

पिछले दिनों जिला मुख्यालय पर बनाए जा रहे पुराने चर्च का काम प्रशासन ने रूकवा दिया। हालांकि चर्च निर्माण का कार्य अब लगभग अपने अंतिम चरणों में है। इस निर्माण को शुरू से ही विहिप व अन्य हिन्दुवादी संगठन लगातार अवैध बताकर इसका विरोध करते रहे है। प्रशासन द्वारा निर्माण पर रोक लगने को हिन्दुवादी संगठन इसे अपनी जीत बता रहे है। उनके मुताबिक आदिवासियों के अवैध धर्मांतरण और अवैध चर्च के खिलाफ शुरू किए गए अभियान का यह नतीजा है। दूसरी ओर जिला प्रशासन किसी शिकायत पर कार्रवाई करने से इंकार कर रहा है।

अफसरों का कहना है कि, चर्च के लोगों से डायवर्शन के दस्तावेज मांगे गए थे जो उपलब्ध नहीं करवाए गए। इसके अलावा चर्च की ऊंचाई भी अनुमति से अधिक कर दी गई है, इसलिए कार्य रोक दिया गया है।

इधर चर्च के लोगों का कहना है कि, सारे दस्तावेज थे तभी तो एसडीएम, नगरपालिका और सभी कार्यालयों से निर्माण अनुमति दी गई। 2019 तक रिकार्ड में जमीन आबादी थी, इसके बाद इसे कृषि भूमि बता दिया गया। हम कई वर्षों से दुकानों, स्कूलों व अस्पताल का टैक्स भर रहे है। प्रशासन जो भी कर रहा है दबाव में कर रहा है। आगे मामले में हम कोर्ट जाएंगे। जिला मुख्यालय स्थित यह चर्च करीब 84 वर्ष पुराना बताया जा रहा है। मतलब लगभग 1935 से यह चर्च यहां मौजूद है। नव निर्माण के लिए इसे 2019 में तोड़ा गया था।

चाहे जो भी हो लेकिन हिन्दु संगठनों व ईसाई मिशनरी के इस खींच तान में जिले की फिजा में जहर घुलता नजर आ रहा है। अगर यह ऐसे ही चलता रहा तो, जिले के लिए एक विकट परिस्थिति पैदा हो जाएगी। जिसके परिणाम शायद बहुत घातक होंगे। सोशल मीडिया पर जिस तरह से एक-दूसरे के प्रति आरोप-प्रत्यारोप और समर्थन-विरोध की जो खुलेआम जंग चल रही है। वह इस जिले के लिए बहुत हानिकारक साबित होगी और इन सबमें जो नुकसान होगा वह सिर्फ और सिर्फ आदिवासी समाज का ही होगा। क्योंकि जिन्होने ईसाई धर्म अपनाया है वे आदिवासी है और जो लोग इसके विरोध में है वे भी आदिवासी ही है। सोशल मीडिया के फेसबुक, व्हाटसएप, इंस्टाग्राम पर तरह-तरह की पोस्टें इन दिनों चर्चा का विषय बनी हुई है। हिन्दुवादी विचार धारा से जुड़े आदिवासी लोग ईसाई धर्म के प्रति आलोचक पोस्ट कर रहे है, तो ईसाई धर्म से जुड़े आदिवासी ''आई सपोर्ट माय चर्च झाबुआ'' की पोस्ट कर रहे है।

इस से भी इंकार नहीं किया जा सकता है कि, आदिवासी समाज में विरोधाभास उत्पन्न कर कोई अपनी रोटियां सेक रहा हो या फिर यह एक तरह का राजनीतिक षडयंत्र भी हो। जो भी हो लेकिन नुकसान आदिवासी समाज का होना तय है। वैसे भी आलीराजपुर-झाबुआ जिला गरीबी और खस्ताहाली के लिए प्रदेश में क्रमशः पहले व दूसरे स्थान पर है। जबकि इन जिलों के विकास के लिए सबसे ज्यादा राशि का आवंटन सरकारें करती आई है। बावजूद इसके जिले की स्थिति वही ''ढाक के तीन पात'' है।

पंचायत चुनाव की तैयारियां जोर-शोर पर

माही की गूंज, काकनवानी। नरेश पंचाल

पलवाड क्षेत्र में त्रिस्तरीय चुनाव को लेकर उम्मीदवार एवं कार्यकर्ताओं में भरपूर जोश दिखाई दे रहा है। भाजपा एवं कांग्रेस दोनों ही दल अपने-अपने स्तर पर चुनाव लड़ने की तैयारियां जोर शोर से कर रहे हैं। अलग-अलग टोलियां बनाकर ग्रामीण कस्बों में एवं फलियों में घर-घर जाकर प्रचार-प्रसार कर रहे हैं। दोनों ही दलों के लोगों को आम जनता का सामना भी करना पड़ रहा है, अपना काम नहीं होने पर भाजपा और कांग्रेस दोनों को ही कोस रहे है। क्षेत्र में भाजपा व कांग्रेस दोनों ही दल ने ऐसा कोई बड़ा काम नहीं किया है कि, जनता उनसे खुश हो। क्षेत्र की सबसे बड़ी समस्याएं पानी और बिजली की है जो कि, करीब-करीब बिजली तो पहुंच रही है लेकिन किसी भी दल ने अभी तक पानी का कोई बड़ा स्रोत का निर्माण इस क्षेत्र में नहीं किया है। जिससे किसान लोग काफी परेशान हैं खेती नहीं कर पा रहे हैं, बड़ी मात्रा में पूरे-पूरे परिवार को पलायन होना होने पर मजबूर होना पड़ रहा है। काम नहीं मिलने के कारण आम जनता सरकार और सरकार के नेताओं को कोस रहे हैं। हर बार बड़े-बड़े वादे खोखले नजर होते आ रहे हैं या यूं कहें कि आम जनता का नेताओं पर से विश्वास ही उठता जा रहा है

भाजपा के उम्मीदवार हुए तय

भारतीय जनता पार्टी के मंडल महामंत्री राहुल पंचाल ने उम्मीदवारों की जानकारी देते हुए बताया कि, काकनवानी में इस बार भाजपा सरपंच की पंचायत होना तय है। भारतीय जनता पार्टी की ओर से सरपंच उम्मीदवार बाबू निनामा, जनपद सदस्य के लिए मक्कन डामोर एवं जिला पंचायत सदस्य के लिए पूर्व मंडी अध्यक्ष मन्नू की पत्नी श्रीमती बाबूडी डामोर मोरझरी के नाम तय किए गए है। इस प्रकार इस बार भाजपा ने एक मत होकर अपने उम्मीदवार तय कर कांग्रेस को ओंदे मुह गिराने की पूरी तैयारी कर ली है।

कांग्रेस ने भी कसी कमर

कांग्रेस के कार्यकर्ता और नेताओं की मानें तो पंचायत से लेकर जिले तक की सीट हथियाने की पूरी तैयारी कर ली है। कांग्रेसियों खेमे को लेकर जनपद अध्यक्ष गेंदाल डामोर के अनुसार काकनवानी सरपंच पद उम्मीदवार उनकी पत्नी सब्बू बाई डामोर, जनपद के उम्मीदवार स्वयं गेंदाल डामोर एवं जिला पंचायत के लिए पुत्रवधू शांति राजेश डामोर के नाम तय किए गए हैं। बता दें कि, पिछले 25 वर्षों से काकनवानी ग्राम पंचायत कांग्रेस के खेमे में चल रही है। इस बार भी वार्ड पंच एवं पंचायत से लेकर जिले तक की दौड़ लगा रहे कांग्रेसी अपनी सभी सीटों की उम्मीदवारी जताते हुए जोर-शोर से विजय हासिल करने की दावेदारी कर रहे है।

राजस्व का त्रुटि सुधार पखवाड़ा बन कर रह गया विभाग की त्रुटि

माही की गूंज, थांदला। राजस्व विभाग ने गत माह राजस्व दस्तावेजो मे त्रुटियो को सुधारने के लिए पखवाडे का आयोजन किया था। जिसके अंतर्गत राजस्व रिकॉर्ड मे किसी भी प्रकार की त्रुटियो और गडबडीयो को सुधारा जाना था वह आम जनता कि हो या शासन के रिकॉर्ड की दुरस्ती हो सभी मे सुधार किया जाकर दुरस्त किया जाना था।किन्तु राजस्व विभाग मे ही इतनी गडबडीया है कि, विभाग ने इस पखवाडा कायर्क्रम को भी औपचारिक रूप से खत्म कर दिया। यहॉ तक की राजस्व विभाग नजूल भूमियो की त्रुटियो का ही सुधार नही कर पाया। किसी भी विभाग मे घोटालो और अनियमितताओ को तब तक अंजाम नही दिया जा सकता जब तक उसमे विभागीय कर्मी शामिल नही हो ऐसा ही राजस्व विभाग मे भी बदस्तूर जारी है। यहॉ तक की प्रशासन के संज्ञान मे आने के बाद भी राजस्व विभाग ने अपने रिकॉर्ड को दुरस्त करने की जहमत नही उठाई। इसका प्रत्यक्ष उदाहरण नगर के बायपास मार्ग पर सर्वे न 336 का है जिसके राजस्व रिकॉर्ड अनुसार उस सर्वे नम्बर मे वर्ष 1959 से एक नाला बह रहा था जो कि, आज भी बह रहा है। लेकिन वर्ष 1978 मे यह नाला विलुप्त हो जाता है और वर्ष 2019 मे इस नाले के स्थान पर एक रास्ता रिकॉर्ड मे दर्ज हो जाता है, जो कभी था ही नही और वतर्मान मे भी रास्ता दिखाई नही देता है। इसके संबध मे तहसीलदार को शासकीय रिकॉर्ड मे हेरा-फरी की लिखित शिकायत दर्ज करवाई गई लेकिन तहसीलदार ने उस पर अभी तक कोई कार्रवाई नही की है शिकायतकर्ता ने कई बार मौखिक रूप से भी तहसीलदार को उक्त सर्वे न पर अतिक्रमण व हेरा-फेरी की जांच किये जाने की माग की। लेकिन तहसीलदार भूमाफियो के दबाव के चलते राजस्व निरीक्षक व पटवारी को पत्र जारी कर अपने कतर्व्य की इतिश्री कर लेते है। विगत छह माह से उक्त सर्वे नम्बर पर अतिक्रमण व हेरा-फेरी की शिकायते राजस्व विभाग मे लंबित है। लेकिन आज तक उसकी जांच नही हुई और न ही कोई कार्रवाई की गई है।

भिलांचल के प्रथम पुरोहित फादर चार्ल्स को किया याद

माही की गूंज, थांदला।

कैथोलिक डायसिस झाबुआ के प्रथम पुरोहित फादर चार्ल्स सर्वप्रथम सन 1896 में थांदला आए थे, वे फ्रांस देश के रहनेवाले थे । थांदला चर्च प्रांगण में मिस्सा पूजा के साथ उदयपुर के बिशप देवप्रसाद गणावा ने झाबुआ डायसिस के प्रभारी फादर पीटर खराड़ी, फादर अंतोन कटारा, फादर पीटर कटारा व फादर वीरेंद्र भाबोर के साथ समारोह में भाग लिया।

बिशप देवप्रसाद गणावा ने अपने प्रवचन में कहा, आज से 125 वर्ष पूर्व हम कल्पना भी नही कर सकते कि आवागमन के क्या साधन रहे होंगे। न ही वे हमारी भाषा जानते थे एकदम अनजान फिर भी है। जैसी बीमारी में उनका इलाज करना असंभव सा लगता था किंतु सभी परिस्थितियों का सामना कर उन्होंने अनेक जानें बचाकर सेवाएं दी उनके द्वारा स्थापित कार्य आज भी सर्वत्र सराहे जाते हैं। उनका व्यक्तित्व असतधारण था। जब सन 1899 व 1901 के बीच हैजा व प्लेग जैसी महामारी में भी वे लोगों की सेवा करते रहे उन्होंने अपनी युवा अवस्था के 25 वर्ष इसी थांदला में बिताए। आज समय है उनके कार्यो का अनुकरण करने का। इस अवसर पर लोंगों ने मास्क व एक दूसरे से दूरी बनाते हुए समारोह में भाग लिया। कार्यक्रम के अंत मे पल्लीपुरोहित फादर अंतोन कटारा ने बिशप गणावा डायसिस प्रभारी फादर पीटर खराड़ी व फादर पीटर कटारा व संगीत दल प्रभारी राजू कटारा का आभार माना।

नगर परिषद अध्यक्ष नहीं निभा पाए अपना वादा

माही की गूंज, थांदला।

नगर की जीवनदायिनी कहीं जाने वाली पवित्र पावन पद्मावती नदी अपनी दुर्दशा पर आंसू बहा रही है! वह मूल स्वरूप में लौटने हेतु आज भी प्रयासरत हैं किंतु उदासीन रवैये के कारण यह नदी अपना स्वरूप खोती जा रही है। नगर परिषद द्वारा नगर में गटरों के अविवेक पूर्ण निर्माण से घरों से बहने वाला गंदा पानी नदी में मिल रहा है जिससे नदी और भी अधिक प्रदूषित हो रही है। चुनाव के दौरान राजनीतिक दल के पदाधिकारी नदी को मूल स्वरूप में लौटाने का वादा अपने घोषणा पत्र में जरूर करते हैं, किंतु वादों और घोषणा पत्र पर अमल न कर पाना, उन्हें भी विलेन की तरह घोषणा वीर साबित ही करता हैं। जनप्रतिनिधियों के इस उदासीन रवैये से पद्मावती नदी अपना स्वरूप खोकर गंदे नाले में तब्दील हो रही है। यह नदी किसी समय कल-कल बहती हुई नगर की प्राण-दायिनी कहीं जाती थी। उक्त नदी के गहरीकरण हेतु पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष स्वर्गीय बाबू दादा चौहान ने अपने अध्यक्षीय कार्यकाल के दौरान नदी के दोनों छोर पर गटरों से बहने वाले गंदे पानी की निकासी के लिए पद्मावती के समीप दो पक्के कूप निर्माण का प्रस्ताव परिषद में पारित करवाया था। किंतु अधिकारियों व कर्मचारियों की उदासीनता के चलते यह कार्य मूर्त रूप न ले सका इस बीच उनका कार्यकाल पूर्ण हो गया।

अब प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी सत्ता में पदस्थ हैं इस अंचल से कई नेता-गण भाजपा संगठन में प्रदेश का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। इन लोगों ने भी इस दिशा में कोई प्रयास नहीं किया है, शनै-शनै उक्त नदी गंदे नाले में परिवर्तित होकर रह गई पद्मावती नदी शुद्धि करण अभियान स्वर्गीय पंडित हीरा लाल शास्त्री ने शुरू किया था। 1993 में भाजपा सरकार में संसदीय सचिव रही रंजना बघेल ने पद्मावती शुद्धिकरण का भूमि पूजन जामा मस्जिद के पास किया था। तब तत्कालीन भाजपाई ठेकेदार स्वर्गीय रजनीकांत नाहर को ठेका दिया था जो भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया। उसके बाद स्वर्गीय बाबुलाल चौहान के कार्यकाल में एक बार पुनः प्रयाश हुए तब नगर का ड्रेनेज नाले से होते हुए पूर्व कांग्रेसी नेता बोहरा समाज प्रमुख अलीहुसेन बोहरा के खेत के कुए में डालने की योजना बनाई।

भाजपाई परिषद में एक नेता ने ऊक्त दोनों योजनाओ को धता बताते हु ग्रामीणों के सीधा नगर प्रवेश हेतु नदी के जिस किनारे ओर रंजना बघेल के कार्यकाल में शुद्धिकरण नाला बना तो जी चंद समय मे ही ध्वस्त हो गया था और कच्चा मुरम का मार्ग बना दिया। यही नही अपने स्वार्थ के चलते स्वर्गीय पंडित हीरालाल शास्त्री की माँ पद्मावती नदी शुद्दीकरण के प्रयाश जो पर्चे छपवा कर सरकार की नींद उड़ाई थी उस भाजपाईयो ने ही बट्टा लगा दिया। वही भाजपा शासनकाल में सुनिता वसावा नगर पालिका अध्यक्ष के रहते शुद्धी करण का कार्य बोहरा समाज के धर्मगुरु सैयदना सेफुद्दीन साका पहल पर कार्ययोजना तैयार कर काम चालू किया लेकिन सत्ताधारी कुछ नेताओं ने अपना स्वार्थ सिद्ध कर उक्त स्थल की सामग्री अपने निजी संस्थानों में उपयोग कर पद्मावती नदी को उसके पुराने स्वरूप में ही छोड़ दिया और आज भी नाली के गंदे पानी वाली नदी रह गई।

मामले में मुकर्रम बोहरा समाजसेवी ने बताया, नगर में शुद्धिकरण का कार्य हमारे आमिल साहब कोसर भाई ने सैयदना साहब के निर्देश पर सहयोग करने का कहा था समाज के कुछ वरिष्ठ लोगों ने उस में सहयोग भी करा था लेकिन राजनीतिक दलों के बीच में आने से पैसा भी कहां गए हमें पता नहीं उन्हें जी का शुद्धिकरण भी नहीं हो पाया

वही भारत सिंह टांक मुख्य नगरपालिका अधिकारी थांदला का कहना है कि, नगर परिषद में मैं अभी-अभी आया हूं मामला बहुत पुराना है मुझे इसके बारे में जानकारी नहीं है मैं इसका पता लगाता हूं नदी का शुद्धिकरण होना चाहिए मैं अपने परिषद में यह बात रखुगा।

रमेश चंद्र आचार्य का कहना है, पिताजी ने बहुत वर्षों पहले नदी शुद्धिकरण के कार्य को हाथों में लिया था किंतु कुछ राजनीतिक लोगों ने अपना स्वार्थ सिद्ध करने के लिए नदी शुद्धि करण के लिए जो नाला बनाया गया था। उसी के ऊपर रपट बनाकर अपने व्यवसाय को आगे बढ़ाने में कामगार साबित हुए नदी का शुद्धिकरण होना चाहिए मेरे पिताजी की अंतिम इच्छा थी।

संपादकीय

राजनीतिक संवेदनशीलता पर प्रश्न, महंगाई की महारैली

नि:संदेह, महंगाई मध्यम व निम्न वर्ग की कमर तोड़ रही है, जिसके चलते इस मुद्दे पर राजनीतिक दलों की संवेदनशीलता भी सवालिया घेरे में रही है। सत्तापक्ष तो महंगाई को लेकर तमाम तर्क देता रहा है, लेकिन आम धारणा है कि विपक्ष ने एकजुट होकर महंगाई के मुद्दे को गंभीरता से नहीं लिया। शायद इसी सोच को लेकर जयपुर में रविवार को आयोजित 'महंगाई पर महारैली' के जरिए कांग्रेस ने जनता की नब्ज पर हाथ रखने का प्रयास किया। पूरा गांधी परिवार पीएम मोदी व केंद्र सरकार पर महंगाई के मुद्दे पर जमकर बरसा। रैली में सोनिया गांधी की चुप्पी भी राहुल व प्रियंका के समर्थन में थी। लेकिन विडंबना ही है कि, महंगाई हटाओ महारैली के जरिए राहुल गांधी का हिंदू बनाम हिंदुत्ववादी का उद्घोष पूरे देश में विमर्श का नया मुद्दा बन गया और महंगाई का मुद्दा हाशिए पर चला गया।

जयपुर के विद्याधर नगर स्टेडियम में आयोजित इस रैली में राहुल गांधी ने अपने भाषण में बताते हैं कि, महंगाई शब्द का प्रयोग सिर्फ एक बार किया जबकि 35 बार हिंदू और 26 बार हिंदुत्ववादी शब्द का प्रयोग किया। लेकिन कांग्रेस की इस रैली से कई साफ संदेश सामने आए। ऐसे वक्त में जब केंद्र सरकार ने येन-केन-प्रकारेण किसान आंदोलन का पटाक्षेप कर दिया है तो आने वाले विधानसभा चुनावों में कांग्रेस समेत विपक्ष महंगाई के मुद्दे से ही चुनावी वैतरणी पार करने की कोशिश करेगा। जयपुर रैली से महंगाई के खिलाफ बिगुल बजाकर कांग्रेस ने साफ कर दिया कि, वह पांच राज्यों के आसन्न चुनावों में महंगाई के मुद्दे को लेकर ही जनता के बीच जाएगी। वहीं सोनिया गांधी ने रैली में भाषण न देकर राहुल को आगे लाने का संदेश दे दिया। यदि सोनिया बोलती तो नि:संदेह राहुल के भाषण को कम तरजीह मिलती। अगले वर्ष होने वाले पार्टी संगठन के चुनाव में राहुल को कमान मिलना लगभग तय नजर आ रहा है। प्रियंका गांधी ने भी महंगाई के मुद्दे पर लड़ने के लिए राहुल गांधी को आगे किया। कोरोना संकट से उबर रहे देश में आम आदमी के आय के स्रोतों का संकुचन अभी तक सामान्य नहीं हो पाया है। कई उद्योगों व सेवा क्षेत्र में करोड़ों लोगों ने रोजगार खोए या उनकी आय कम हुई। ऐसे में आए दिन बढ़ती महंगाई बेहद कष्टदायक है। गरीब आदमी की थाली से सब्जी गायब होने लगी है। आम आदमी के घर में आम जरूरतों के लिए प्रयोग होने वाला सरसों का तेल दो सौ रुपए लीटर से अधिक होना बेहद चौंकाने वाला है। हाल ही के दिनों में टमाटर का सौ रुपए तक बिकना बेहद परेशान करने वाला रहा। इतना ही नहीं, जाड़ों के मौसम में लोकप्रिय सब्जियां मसलन गोभी व मटर के दाम भी सामान्य नहीं रहे हैं। प्याज के भाव भी चढ़ते-उतरते रहते हैं। वहीं पेट्रोल-डीजल के दाम कई स्थानों पर सौ को पार करने का भी महंगाई पर खासा असर पड़ा है। जाहिर-सी बात है पेट्रोलियम पदार्थों के भाव में तेजी आने से मालभाड़ा महंगा होकर हर चीज के दाम को बढ़ा देता है। हालांकि, सरकार ने तेल के दामों में कुछ कमी की और कुछ राज्यों ने वैट घटाकर खरीदारों को राहत भी दी, लेकिन यह राहत दीर्घकालीन व बड़ी नहीं है। टमाटर को लेकर कहा जा रहा है कि, मानसूनी बारिश के देर तक चलने व खेतों में ज्यादा पानी भरे रहने से टमाटर की अधिकांश फसल बर्बाद होने से इसके दामों में अप्रत्याशित तेजी आई। भारत में जहां टमाटर का उत्पादन ज्यादा है तो खपत भी ज्यादा है। भारत दुनिया में चीन के बाद टमाटरों का दूसरा बड़ा उत्पादक देश है। लेकिन हाल के वर्षों में बड़ी मात्रा में टमाटर का उपयोग खाद्य प्रसंस्करण उद्योग द्वारा किया जा रहा है, जिसकी आपूर्ति से बाजार में टमाटर की सप्लाई प्रभावित होती है। साथ ही यहां यह भी विचारणीय है कि, क्या टमाटर उत्पादकों को उनकी मेहनत के अनुरूप दाम मिल रहा है? बहरहाल, महंगाई पर राजनीतिक दलों की उदासीनता आम आदमी को परेशान जरूर करती है।

ऊंची कीमत की फसलें एमएसपी का विकल्प

किसान और सरकार दोनों ही चाहते हैं कि, किसान की आय में तीव्र वृद्धि हो। लेकिन इस वृद्धि को कैसे हासिल किया जाए, इस पर दोनों में मतभेद हैं। किसानों का कहना है कि, समर्थन मूल्य को कानूनी दर्जा देने से उन्हें अपने प्रमुख उत्पादों का उचित मूल्य मिल जाएगा और तदनुसार उनकी आय भी बढ़ेगी। दूसरी तरफ सरकार का कहना है कि, समर्थन मूल्य को कानूनी दर्जा देने से सरकार के लिए अनिवार्य हो जाएगा कि चिन्हित फसलों का जितना भी उत्पादन हो, उसे सरकार को खरीदना होगा। ऐसे में धान, गन्ना अथवा गेहूं जैसी फसलों का उत्पादन बढ़ेगा परन्तु इस बढ़े हुए उत्पादन की खपत देश में नहीं हो सकती। इसलिए इनका निर्यात करना होगा, जिससे सरकार पर दोहरा बोझ पड़ेगा।

पहले इन फसलों को महंगा खरीदना होगा और उसके बाद इन्हें विश्व बाजार में सस्ता बेचना होगा। यद्यपि समर्थन मूल्य से किसान की आय में वृद्धि होगी परन्तु उससे देश पर आर्थिक बोझ बढ़ेगा और सम्पूर्ण देश की आय में गिरावट आएगी। इसलिए सरकार समर्थन मूल्य को कानूनी दर्जा देने से कतरा रही है। मूल बात यह है कि, समर्थन मूल्य से किसान की आय में वृद्धि होती है जबकि देश की आय में गिरावट आती है। इस अंतर्विरोध को हल करना जरूरी है। किसान के हित और देश के हित को एक साथ हासिल करने का रास्ता हमें खोजना पड़ेगा।

खाद्यान्नों के अधिक उत्पादन से देश हित की हानि कैसे होती है, इसे समझना जरूरी है। जब सरकार विशेष फसलों को समर्थन मूल्य देती है तो किसानों द्वारा उन फसलों का उत्पादन अधिकाधिक किया जाता है, जैसे वर्तमान में गन्ने का उत्पादन अधिक किया जा रहा है। इस अतिरिक्त गन्ने से बनी चीनी की खपत देश में नहीं हो पाती है। इसलिए सरकार को इसे निर्यात करना पड़ता है। जैसे वर्तमान में हम गन्ने के समर्थन मूल्य को ऊंचा रखने के कारण चीनी का उत्पादन अधिक कर रहे हैं और उस चीनी का निर्यात कर रहे हैं। इस स्थिति में सरकार को इन फसलों के उत्पादन में बिजली, पानी, फर्टिलाइजर पर सब्सिडी देनी पड़ती है और इस सब्सिडी के बल पर उत्पादित माल को महंगा खरीदना पड़ता है और अंत में उसे सस्ते मूल्य पर विश्व बाजार में बेचना पड़ता है, जिससे कि सरकार को दोहरा घाटा लगता है।

एक तरफ सब्सिडी देनी पड़ती है और दूसरी तरफ महंगी खरीद को सस्ते में बेच कर घाटा बर्दाश्त करना पड़ता है। इसके अतिरिक्त इस प्रक्रिया में हमारे पर्यावरण की भी हानि होती है। जैसे धान और गन्ने की फसल के उत्पादन में पानी की भारी खपत होती है। पंजाब और उत्तर प्रदेश जैसे प्रदेशों में भूमिगत जल का स्तर नीचे गिरता जा रहा है और देश को गहराई से पानी निकालने में अतिरिक्त ऊर्जा का अनायास व्यय करना पड़ता है। इसलिए समर्थन मूल्य पर पुनर्विचार जरूरी है। इससे यदि किसान की आय में वृद्धि हो तो भी देश पर आर्थिक बोझ पड़ता है एवं पर्यावरण की हानि होती है।

इस परिस्थिति में हमें ऐसा उपाय खोजना होगा कि देश और किसान दोनों को लाभ हो। उपाय है कि, किसानों को प्रेरित करें कि वे गेहूं, धान और गन्ने की अधिक पानी की खपत करने वाली फसलों को त्याग कर कीमती फसलों के उत्पादन की ओर उन्मुख हों। जैसे केरल में काली मिर्च और रबड़, कर्नाटक में रेशम, महाराष्ट्र में केला और प्याज, आंध्र में पाम, बिहार में पान, उडीसा में हल्दी और उत्तर प्रदेश में आम आदि उच्च कीमतों की फसलों की खेती होती है। इसे और अधिक बढ़ाया जा सकता है। इसी प्रकार वैश्विक स्तर पर ट्यूनीशिया जैसे छोटे देश में जैतून की खेती होती है, नीदरलैंड में ट्यूलिप के फूल, सऊदी अरब में खजूर और अमेरिका में अखरोट की खेती होती है।

इन देशों में कृषि कर्मी को एक दिन का लगभग 12 हजार रुपए वेतन मिलता है क्योंकि इन फसलों का उत्पादन विश्व के चिन्हित देशों में होता है। ये देश इन फसलों का अधिकाधिक मूल्य वसूल कर पाते हैं। इसलिए सरकार को चाहिए कि एक महत्वाकांक्षी योजना बनाये, जिसमे देश के हर जिले में उस स्थान की जलवायु में उत्पादित होने वाली उच्च मूल्य की फसल पर अनुसंधान किया जाए। बताते हैं कि किसी समय अयोध्या से भिन्डी का भारी मात्रा में निर्यात किया जाता था। वर्तमान में वहां से लोबिया देश के तमाम हिस्सों को भेजा जाता है। यदि सरकार इन उच्च मूल्य की फसलों का विस्तार करे तो किसानों को इनके उत्पादन में सहज ही ऊंची आय मिलने लगेगी और उनका गेहूं, धान और गन्ने के समर्थन मूल्य का मोह स्वयं जाता रहेगा।

हमारे देश की विशेष उपलब्धि यह है कि, हमारे यहां कश्मीर से कन्याकुमारी तक बारहों महीने हर प्रकार की जलवायु उपलब्ध रहती है। जैसे गुलाब और ट्यूलिप के फूल सर्दियों में दक्षिण में और गर्मी के मौसम में उत्तरी पहाड़ों में उत्पन्न किये जा सकते हैं। इन फसलों का हम 12 महीने निर्यात कर सकते हैं जो कि, नीदरलैंड नहीं कर सकता। विश्व के किसी भी देश के पास इस प्रकार की लचीली जलवायु उपलब्ध नहीं है।

डॉ. भरत झुनझुनवाला
आर्थिक विशलेषक

समस्या यह है कि, हमारी कृषि अनुसंधान शालाओं और विश्वविद्यालयों में रिसर्च करने का वातावरण उपलब्ध नहीं है। इन संस्थाओं में वैज्ञानिकों के वेतन सुनिश्चित हैं। वे रिसर्च करें या न करें, इससे उनकी जीविका पर आंच नहीं आती है। वे पूर्णतया सुरक्षित हैं। इनका कार्य सिर्फयह रह गया है कि 10 पर्चे पढ़ कर उनके अंशों को कट एंड पेस्ट करके नए पर्चे बनाना और उसे पत्रिकाओं में प्रकाशित करना, जिससे कि उनके बायोडेटा में प्रकाशनों की लम्बी लिस्ट लग जाए।

अतः सरकार को चाहिए कि, इन अनुसंधान शालाओं के कर्मियों को सुरक्षित वेतन देना बंद करके हर जिले की जलवायु के उपयुक्त रिसर्च के लिए खुले ठेके दे, जिसमें निजी और सरकारी प्रयोगशालाएं आपस में प्रतिस्पर्धा में आएं। तब देश के हर जिले के अनुरूप उच्च कीमत की फसल का हम उत्पादन कर सकेंगे और किसान को सहज ही बाजार से ऊंची आय मिलेगी। जैसा कि फ्रांस के कर्मी को 12 हजार रुपए प्रतिदिन मिल जाता है। ऐसे में किसान को समर्थन मूल्य की आवश्यकता नहीं रह जायेगी, साथ ही हमारा पर्यावरण भी सुरक्षित होगा। हमें अपनी जलवायु की सम्पन्नता का लाभ लेना चाहिए।

नाजायज को जायज ठहराने की कूपमंडूकता

हाल ही में नेशनल फैमिली हैल्थ सर्वे की एक रिपोर्ट प्रकाशित हुई थी। इसमें 14 राज्यों में तीस प्रतिशत महिलाओं ने पति द्वारा पत्नी की पिटाई को ठीक माना था। इसके अनुसार तेलंगाना में 84 प्रतिशत, आंध्र प्रदेश में 84 प्रतिशत, कर्नाटक में 77 प्रतिशत, मणिपुर में 66 प्रतिशत, केरल में 52 प्रतिशत, जम्मू कश्मीर में 49 प्रतिशत, महाराष्ट्र में 44 प्रतिशत, बंगाल में 42 प्रतिशत औरतों ने पत्नी की पिटाई को सही माना। कर्नाटक या आंध्र के मुकाबले हिमाचल प्रदेश में सिर्फ14.8 प्रतिशत औरतों ने ही इस तरह की हिंसा को सही माना। कहते तो यह हैं कि, हिंदी भाषी क्षेत्रों के मुकाबले दक्षिण के राज्य सांस्कृतिक रूप से बहुत आगे हैं, लेकिन यह कैसा आगे रहना है।

देखने की बात यह भी है कि, केरल खुद को सौ फीसदी साक्षर राज्य कहता है। यहां वामपंथियों का लम्बे अरसे तक शासन रहा है। आज भी है। इसी तरह बंगाल में भी दशकों तक वामपंथी सत्ता में रहे हैं। तब ऐसा क्यों है कि, यहां अभी तक इस तरह की बातें हो रही हैं। पत्नियां पिट रही हैं। क्यों स्त्रियों के प्रति हिंसा से मुक्ति नहीं पाई जा सकी है। यह कैसा न्याय है कि एक तरफतो हम जोर-शोर से स्त्रीवाद का हल्ला मचाते हैं तो दूसरी तरफस्त्रियां पिटाई को सही भी मान रही हैं।

घरेलू हिंसा से स्त्रियां प्रताड़ित हों और उसे सही भी ठहराया जाए, आखिर क्यों। ऐसा भी नहीं है कि, औरतों की पिटाई पर मीडिया की अनदेखी रहती होगी या प्रशासन और तंत्र को इस बारे में कुछ पता ही न होगा।

अब जरा इस बात पर भी नजर डालें। आखिर स्त्रियां जिन कारणों से पति द्वारा पिटाई को सही मान रही हैं, वे कौन से हैं। वे हैं-पति से विश्वासघात, ससुराल वालों का अनादर, बात-बात पर बहस करना, यौन सम्बंधों से इनकार, बिना बताए घर से बाहर जाना, घर और बच्चों की ठीक से देखभाल न करना, खराब खाना बनाना आदि।

अब इन कारणों पर गौर फरमाएं तो सोचिए कि स्त्री विमर्श के इस दौर मे जहां हर तरह के कानून, यहां तक कि घरेलू हिंसा के विरुद्ध भी कानून है, वहां ऐसी सोच औरतों की हो तो क्या ही कहिए। पुराने जमाने में भी औरतें पति से बहस करने, अच्छा खाना न बना पाने या बच्चों की ठीक से देखभाल न करने के कारण पिटती रही हैं। ऐसी न जाने कितनी घटनाएं हम न केवल अपनी आंखों से देखते हैं बल्कि लगातार सुनते भी आ रहे है। उम्र बीत गई, लेकिन यह परंपरा आज भी निभाई जा रही है, भला क्यों। मामूली कारणों से किसी की पिटाई से ज्यादा पाशविक बात क्या हो सकती है। और वह भी पत्नी की पिटाई। इससे भी ज्यादा अफसोसनाक यह कि खुद औरतें इसे सही मान रही हैं।

दिलचस्प यह भी है कि, जो महिलाएं औरतों के पिटने को ठीक ठहरा रही हैं, हो सकता है कि वे पिटने की उम्र से गुजर चुकी हों। अपने समय में पति द्वारा खूब पिटी हों और कल्पना में अपनी बहू को पिटते देख रही हों। क्योंकि देखा गया है कि जो औरतें पति के अत्याचार सहती हैं, वे चाहती हैं कि उनका बेटा भी अपनी पत्नी के साथ वैसा ही करे। ये स्त्रियां यदि पिटाई को ठीक मान रही हैं तो इस तरह ये अपनी बेटियों की पिटाई को भी जायज ठहरा रही हैं।

यदि किसी स्त्री का अच्छा खाना न बनाना ही पिटाई का कारण हो तो यह पूछा जा सकता है कि भाई अपने लिए खाना खुद ही बना लो। यदि किसी होटल या ढाबे का खाना पसंद नहीं आता है तो क्या यह ग्राहक का हक बन जाता है कि वह होटल के मालिक की पिटाई करने लगे। लेकिन यह कहते ही अभिमान पर चोट लग सकती है। खाना बनाना या घर की देखभाल क्या आदमियों का काम है। ऐसे तर्क आमतौर से औरतें ही देती पाई जाती हैं। कई उच्च शिक्षित महिलाओं को भी अपने बेटों को ऐसे कहते देखा गया है कि यह तो मर्द बच्चा है। जनाने काम करने को थोड़े ही पैदा हुआ है।

घर के काम आखिर पत्नी के ही क्यों हों। जब घर दोनों का, बच्चे दोनों के हैं तो काम भी दोनों के ही होने चाहिए। इससे बचने का तर्क बहुत से लोग यह देते हैं कि मैं बाहर काम करता हूं, नौकरी करता हूं, घर चले, इसके लिए पैसे कमाता हूं तो क्या पत्नी घर की देखभाल भी नहीं कर सकती। आखिर वह घर की मालकिन भी तो है। लेकिन उन महिलाओं का क्या जो नौकरी भी करती हैं, घर भी संभालती हैं, और इस तरह से दोहरी जिम्मेदारी निभाती हैं। क्या आज भी नौकरीपेशा स्त्री यह कह सकती है कि चूंकि वह नौकरी करती है, इसलिए घर क्यों देखे, क्यों खाना बनाए, क्यों बच्चों की देखभाल करे। इतना कहने भर से ही शायद पिटाई झेलनी पड़ती होगी या घर टूटने की नौबत आ जाती होगी।

क्षमा शर्मा

सर्वे में यह भी बताया गया कि, बहुत से पुरुषों ने पत्नी की पिटाई को सही नहीं माना। इसके लिए पुरुष बधाई के पात्र हैं । लेकिन उन महिलाओं की सोच को कैसे बदला जाएगा जो पत्नी की पिटाई को सही मान रही हैं, और पिटाई के कारणों को भी वैधता प्रदान कर रही हैं।

आपको पुराने जमाने की वे फिल्में याद हैं, जिनमें पतिदेव पत्नी को मारते-पीटते थे, ससुराल वाले भूखा रखते थे, पतिदेव गम्भीर बीमारियों के शिकार हो जाते थे तो पत्नी ही उन्हें पीठ पर लादकर उपचार के लिए ले जाती थी। एक दौर में ऐसी फिल्में रिकार्ड तोड़ सफलता हासिल करती थीं। स्त्रियों के लिए कर्तव्य शिक्षा नाम से एक पुस्तक है जो सलाह देती थी कि पति कैसा भी हो, पत्नी का धर्म है कि वह उसकी न केवल बात माने बल्कि उसकी हर तरह से सेवा करे। इस रिपोर्ट को पढ़कर ऐसा भी लगता है कि जैसे पर्दे पर मीनाकुमारी आंसू बहाती गा रही हो कि न जाओ सैंया छुड़ाकर बइंया। और घर की औरतें इसी रोती स्त्री को पीट रही हैं।

तीसरी बार भारत को मिस युनीवर्स यानी ब्रम्हाण्ड सुन्दरी का खिताब

1994 में पहली बार सुष्मिता सेन फिर 2000 में लारा दत्ता और अब 21 साल बाद हरनाज संधू ने मिस यूनिवर्स यानी ब्रम्हाण्ड सुन्दरी का खिताब जीतकर भारत का मान फिर एक बार विश्व में बढ़ा कर यह संदेश दे दिया है कि, हर क्षेत्र में हम दुनिया में किसी से कम नहीं हैं पीछे नहीं हैं। इसराइल के एलात में हुई 70वीं मिस यूनिवर्स प्रतियोगिता में 80 प्रतियोगियों को हराकर 2021 का मिस यूनीवर्स का खिताब हासिल करने वाली भारत की हरनाज संधू शुरू से ही प्रमुख दावेदार थीं। उन्होंने अंतिम राउण्ड में भारतीय दर्शन से भरा जवाब देकर खिताब अपने नाम कर लिया। पंजाब की 21 वर्षीय इस बाला ने पराग्वे की नादिया फरेरा और दक्षिण अफ्रीका की लललेला मसवाने को शिकस्त देते हुए मिस यूनीवर्स 2021 के खिताब पर अंततः कब्जा कर दुनिया को भारत की चमक और धमक दिखा दी।

दरअसल, हरनाज की हाजिर जवाबी ने चयनकर्ताओं को उनकी विलक्षण प्रतिभा का लोहा मनवा दिया जिसमें आखिरी दौर में टॉप थ्री की प्रतियोगियों से पूछा गया कि, आज के दौर मे दबाव का सामना कर रही उन तमाम युवा महिलाओं को क्या सलाह देंगी जिससे वो दबाव का सामना कर सकें? इस पर हरनाज ने बहुत ही खूबसूरती से दार्शनिक लहजे में जो सच कहा उसने सभी का दिल जीत लिया। हरनाज ने कहा- ÷आज के युवा पर सबसे बड़ा दबाव यही है कि वो खुद पर भरोसा करना सीखें और माने की आप स्वयं ही अनोखे हैं। बाहर निकलिए, खुद के लिए आवाज उठाना सीखिए क्योंकि अपने जीवन के लीडर आप खुद हैं और आप ही खुद की आवाज भी। मुझे देखिए, खुद की आवाज बनीं, खुद पर भरोसा किया और आज आपके सामने यहां तक आकर खुद ही खड़ी हुई।÷ इसी जवाब ने सभी को उनका न केवल मुरीद बना दिया बल्कि चयनकर्ताओं की पहली पसंद भी। हरनाज ने सच ही कहा आज के युवा भटकाव का मार्ग छोड़ यदि खुद पर ही भरोसा कर लें तो कुछ भी असंभव नहीं है। दरअसल बढ़ती प्रतिस्पर्धा और मायावी दुनिया के बीच आज युवा स्वयं को कई मोड़ों पर भटकता हुआ पाता है। सही मार्गदर्शन के लिए भी अक्सर भटकता दिखता है और मार्गदर्शन के नाम पर भी उसकी पहले से ही खाली जेब पर ही भारी बोझ पड़ता है।

जबकि यहाँ उसे स्वयं के प्रति विश्वास बल्कि कहें आत्मविश्वास से लबरेज होना चाहिए। अपनी क्षमताओं और प्रतिभाओं को खुद ही पहचानने और निखारने की क्षमता होनी चाहिए। उसे यह मानना चाहिए कि वह भी दुनिया के दूसरे सफलतम इंसानों की तरह है जो उससे किसी मामले में अलग नहीं है। ऐसे में वह भला क्यों नहीं कामियाब हो सकता? बस यही आत्मविश्वास किसी बड़े मंत्र के रूप में किसी भी युवा बल्कि इंसान की आगे की राहों को मजबूत करता है। हरनाज ने भी यही किया। दरअसल हरनाज की इस स्वीकारोक्ति के पीछे कहीं न कहीं हमारा भारतीय दर्शन भी छुपा हुआ है।

चण्डीगढ़ में पली-बढ़ी 21 वर्षीय हरनाज संधू ने वहीं से स्कूली शिक्षा और कॉलेज की शिक्षा ग्रहण की। इस प्रतिस्पर्धा में पराग्वे की नाडिया फरेरा दूसरे नंबर पर तथा दक्षिण अफ्रीका की लालेला म्सवाने तीसरे नंबर पर रहीं। आपको बता दें कि हरनाज संधू मॉडलिंग और एक्टिंग की दुनिया में भी सक्रिय हैं। वह 'यारां दियां पौ बारां' और 'बाई जी कुट्टांगे' जैसी पंजाबी फिल्मों में काम भी कर चुकी हैं। मिस यूनीवर्स के सबसे बड़े खिताब से पहले हरनाज संधू की झोली में और भी कई खिताब आ चुके हैं। 2017 में वह टाइम्स फ्रेश फेस मिस चंडीगढ़ रहीं जबकि 2019 उन्होंने फेमिना मिस इंडिया पंजाब का खिताब भी जीता और 2019 की फेमिना मिस इंडिया प्रतियोगिता के शीर्ष 12 में भी जगह बना चुकी हैं। आप 2021 में मिस दीवा 2021 का खिताब भी अपने नाम कर चुकी हैं। इस प्रतियोगिता में राष्ट्रीय वेशभूषा के अलावा इवनिंग गाउन और स्विम वीयर के पारंपरिक प्रदर्शन के साथ-साथ प्रतियोगियों के सार्वजनिक मंच से बोलने की कौशल कला के परीक्षण के साथ ही सवालों की एक शृंखला भी शामिल थी जिसमें उन्होंने बहुत ही चतुराई और अद्भुत तरीके से अपना जवाब देकर सबको सम्मोहित सा कर लिया।

मिस यूनिवर्स प्रतियोगिता 1952 में कैलिफोर्निया स्थित कपड़ा कंपनी पेसेफिक मिल्स द्वारा शुरू की गई थी। सौन्दर्य की दुनिया में सबसे ज्यादा मान्यता प्राप्त, प्रचारित और प्रतिष्ठित प्रतियोगिताओं में से एक है। इसमें सामान्यतः किसी देश के उम्मीदवार का चयन वहां के मुख्य शहरों में सौंदर्य प्रतियोगिताओं के जरिए होता है। जिसमें वहां के विजेता राष्ट्रीय सौंदर्य प्रतियोगिता में कॉम्पीटीशन के जरिए एक तय श्रंखला के जरिए यहां तक पहुंचते हैं। इसमें विजेता प्रतिभागी को भारी भरकम राशि बतौर प्राइज मनी मिलती है।

ऋतुपर्ण दवे

दरअसल, इस प्रतियोगिता में विजेता के लिए प्राइज मनी से ज्यादा वह प्रसिद्धि मिलती है जिससे वह एक लोकप्रिय शख्सियत बन जाते हैं और पूरी दुनिया उन्हें पहचानने लगती है। इस प्रतियोगिता के विजेताओं को तुरंत ही फिल्म व टीवी जगत में भरपूर काम व विज्ञापन भी मिलने लगते हैं। हमने सुष्मिता सेन और लारा दत्ता के मामलों में यही सब देखा है। हालांकि, प्राइज मनी के अमाउंट में कितनी सच्चाई है इसकी पुष्टि करना मुश्किल है। एक प्रतिष्ठित बेवसाइट के अनुसार मिस यूनिवर्स को एक वर्ष तक सैलेरी भी दी जाती है। मिस यूनिवर्स बनने के बाद एक वर्ष तक, यानी जब तक दूसरी मिस यूनिवर्स न चुन ली जाए, विजेता को न्यूयॉर्क शहर में एक खूबसूरत अपार्टमेंट भी निःशुल्क दिया जाता है। उसके खाने-पीने से लेकर यात्रा तक का सारा खर्च भी उठाया जाता है। दरअसर, कई कीमती ज्वेलरी कंपनियों के साथ उनका टायअप होता है जिससे उनको मॉडलिंग से जुड़े तमाम ऑफर्स भी मिलते हैं। यही नहीं, मिस यूनिवर्स होने के नाते विजेता मिस यूनिवर्स ऑर्गनाइजेशन की चीफ एम्बैसडर भी बन जाती हैं जिसके बाद उन्हें मीडिया और अलग-अलग देशों के कई ईवेंट्स में शामिल होनेके मौके भी मिलते हैं। हाँ, मिस यूनिवर्स अपना क्राउन एक साल या तब तक जब कि नई मिस यूनिवर्स ना चुन ली जाए, रख सकती हैं। उसके बाद वो क्राउन संस्था को लौटाना पड़ता है। यह क्राउन बहुत ही मंहगा होता है इन्हें पहनना ही बहुत शान और बड़ी बात होती है।

पीएम के ठिकाने से कारोबार की मंशा

पीएम मोदी का ट्विटर खाता हैक हो गया और वहां पर क्रिप्टोकरेंसी बिटक्वाइन के बारे में यह बता दिया गया कि, उसे भारत में कानूनी मान्यता मिल गयी है। दूसरे शब्दों में कह सकते हैं कि पीएम के ट्विटर खाते पर बिटक्वाइन की मार्केटिंग हो रही थी, बिटक्वाइन की बिक्री हो रही थी।

आलोक पुराणिक

पीएम के ठिकाने पर कोई अपना माल बेच जाये, यह कैसे संभव है। ट्विटर माल बेचने का ही अड्डा है, कोई अपना विचार बेच जाता है, कोई सूचना बेच जाता है, कोई झूठ बेच जाता है और कोई महाझूठ बेच जाता है। ट्वीट का ताल्लुक चिड़िया के स्वर से है, पर चिड़िया आम तौर पर बकवास नहीं करती। ट्विटर पर जो होता है, उसमें बकवास का बड़ा अंश होता है। ट्विटर का सिंबल लोगो अगर चिड़िया के बजाय कौआ कर दिया जाये, तो हकीकत के ज्यादा करीब होगा। कौए की कर्कश बकवास यानी फिजूल की बातें। यूं हो सकता था कि, कह दिया जाता कि कुछ समय के लिए पीएम के ट्विटर खाते का डिसइनवेस्टमेंट कर दिया गया है। बिटक्वाइन वाले इस पर अपना संदेश लिख गए। कोरोना काल में सरकार को संसाधनों की जरूरत है, पीएम के ट्विटर के ठिकाने का इस्तेमाल संसाधन जुटाने में हो सकता है। दिन में एक तय समय पांच या दस मिनट तक पीएम के ट्विटर खाते पर कोई अपने आइटम बेच सकता है, ऐसी घोषणा कर दी जानी चाहिए, और बेचने वाले से चकाचक रकम हासिल कर लेनी चाहिए।

पीएम के ठिकाने पर क्रिप्टोकरेंसी बिटक्वाइन की बिक्री हो सकती है तो जलेबियां क्यों नहीं बिक सकतीं। छज्जूराम जलेबी, जल्दीराम भुजिया, काका की कुल्फी, भलेराम के भटूरे, सब कुछ बिकना चाहिए, पीएम के ठिकाने पर। लघु उद्यमों को भी पूरा मौका मिलना चाहिए। चटोरी चाट और लटूरी लड्डू जैसे छोटे ब्रांडों को भी मौका मिलना चाहिए। ट्विटर वाले वैसे कहते हैं कि, उनके यहां सबका डाटा सुरक्षित है। ट्विटर का यह दावा उतना ही सही है, जितना यह दावा कि देश में सब तरफअमन-चैन है और महंगाई से कोई परेशान नहीं है। ट्विटर के यहां सब डाटा सेफहै, देश में अमन-चैन है, महंगाई से कोई परेशान नहीं है, इन सब बातों पर यकीन करने के लिए या तो बहुत ही ऊंचे स्तर का बेवकूफहोना होगा या परम होशियार। होशियार प्रवक्ता उस पार्टी का यह साबित कर सकता है कि ट्विटर का हैक होना तो सबके हित में है, यही तो पारदर्शिता है, यही तो लोकतंत्र है, सबको मौका मिले अपनी बात रखने का। बिटक्वाइन की बात अगर पीएम के ठिकाने पर हो गयी, तो यही लोकतंत्र है न। होशियार प्रवक्ता दूसरी पार्टी का यह साबित कर सकता है कि पीएम के ट्विटर खाते की हैकिंग दरअसल भारत पर कब्जे से भी बड़ी घटना है, इसकी जांच हो और पीएम इस्तीफा दें।

सूदखोरों से परेशान होकर युवक ने सल्फास खाकर की आत्महत्या

माही की गूंज, मंदसौर। साहिल अगवान

सूदखोरों का जाल जिले में लगातार फैलता जा रहा है। ये लोग नेताओं से नजदीकी का फायदा उठाकर बिना लाइसेंस इस तरह का धंधा करते हैं, वहीं कर्जदारों को डराकर मोटा ब्याज वसूलते हैं। डर के कारण पीड़ित भी शिकायत नहीं करते। इनसे परेशान एक युवक ने सोमवार रात सल्फास खा ली। इससे उसकी मौत हो गई। मृत्यु से पूर्व जिला अस्पताल में दिए बयान में उसने बजरंग दल प्रखंड अध्यक्ष व अन्य तीन के नामों का खुलासा किया। ये हालात तब हैं जब ब्याजखोरों के खिलाफ पुलिस ने अभियान चला रखा है। हालांकि अभियान के अंतर्गत 13 दिन में केवल 6 केस ही दर्ज हुए हैं।

सोमवार रात युवक की मौत के बाद अधिकारी भी ब्याजखोरों के खिलाफ शिकायत की अपील कर रहे हैं। पुलिस ने 1 से 30 दिसंबर तक ब्याजखोरों के खिलाफ अभियान चला रखा है। इसके तहत अब तक 6 केस दर्ज हुए हैं। इसमें 5 प्रकरण सराफ व्यापारी एसोसिएशन अध्यक्ष मोहनलाल रिछावरा व उनके भाई भंवरलाल रीछावरा के खिलाफ हैं। एक अन्य प्रकरण कोतवाली पुलिस ने प्रतापगढ़ निवासी फरजाना पति वसीम मेव की शिकायत पर हस्सो पति अमजद मेव, हिना पति अमजद मेव व अंजो पति अकील मेव के खिलाफदर्ज किया है।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार ब्याजखोरों के खिलाफजनता ही जागृत नहीं है, वह उनके खिलाफ केस दर्ज ही नहीं करा रही है। इस बात की पुष्टि सोमवार रात को दलौदा शांति कॉलोनी निवासी सुरेंद्रसिंह पिता शेरसिंह (32) के द्वारा ब्याजखोरों से परेशान होकर जहर खाने से हुआ है। सूदखोरों ने उसे रुपयों के लिए इतना परेशान किया कि उसने आत्महत्या का रास्ता चुन लिया। युवक की सोमवार रात ही उदयपुर में इलाज के दौरान मौत हो गई।

दलौदा पुलिस ने कराया अनाउंसमेंट

ब्याजखोरों के खिलाफसोमवार शाम को पुलिस ने अनाउंसमेंट कराया। इसमें कहा कि, पुलिस सूदखोरों से मुक्ति दिलाने का अभियान चला रही है। यदि कोई आपको ब्याज के रुपयों के लिए परेशान करता है तो उसकी शिकायत कीजिए। नाम और पहचान गुप्त रखी जाएगी।

जिला अस्पताल में युवक ने बजरंग दल प्रखंड अध्यक्ष व अन्य तीन के लिए नाम

युवक की मौत के मामले में आरोपी देवीलाल धनगर बजरंग दल प्रखंड अध्यक्ष है। भाजपा के वरिष्ठ नेताओं से नजदीकी के चलते वह अपना ब्याज का अवैध व्यापार चलाता है। आरोपी जीतू गुगर धुंधड़का स्वास्थ्य केंद्र में फार्मासिस्ट है। जीतू चाटी ग्राम पंचायत में कचरा वाहन का ड्राइवर है तथा रामप्रसाद राठौर फल का ठेला लगाता है।

रुपए नहीं होने से देर तक परिजन को नहीं दिया शव

निजी अस्पताल में हुई मौत के बाद परिजन के पास अस्पताल का बिल चुकाने तक के रुपए नहीं थे। बताया जाता है वहां 60 हजार रुपए का बिल बना था। जो परिजन नहीं दे पा रहे थे। इसके चलते अस्पताल प्रबंधन ने शव देने से इनकार कर दिया। सूचना नगर में पहुंची तो सरपंच विपिन जैन व ग्रामीणों ने रुपए एकत्र कर अस्पताल के अकाउंट में जमा कराए। सरपंच जैन ने बताया कि अस्पताल का नाम तो नहीं पता लेकिन रुपए सभी ने एकत्र किए।

डायरी सिस्टम से करते हैं धंधा

ब्याज का काम करने वाले डायरी सिस्टम से अवैध धंधे को चलाते हैं। इसके लिए उन्होंने बाकायदा ऑफिस बना रखे हैं। जहां मजबूर लोग फंस जाते हैं। वसूली के लिए सभी ने कर्मचारी नियुक्त कर रखे हैं। डायरी सिस्टम के तहत 50 दिन के लिए 10 हजार रुपए देते हैं। इसका 50 दिन का ब्याज 800 रुपए एडवांस में काटकर शेष राशि 9 हजार 200 रुपए दी जाती है। रोज 200 रुपए की किस्त के हिसाब से 50 दिन की डायरी बनाकर 10 हजार रुपए वसूल किए जाते हैं। एक दिन किस्त चुकने पर अगले दिन दोनों दिन की किस्त 400 रुपए जमा कराना होती है। इसके साथ ही पैनाल्टी भी लगाई जाती है।

लोग शिकायत करें, हम कार्रवाई करेंगे

पूरे मामले में डॉ. अमित वर्मा, एएसपी मंदसौर का कहना है कि, ब्याजखोरों के खिलाफहमने अभियान चला रखा है लेकिन यह मामला ऐसा है कि जब तक कोई खुद आकर शिकायत न करे हम कार्रवाई नहीं कर सकते। हमारी सभी से अपील है कि यदि कोई ब्याजखोर से परेशान है तो वह शिकायत करे, निश्चित रूप से कार्रवाई की जाएगी।

भानपुरा क्षेत्र में भी कई ब्याजखोर सक्रिय है जो बिना लाइसेंस के अनाप-शनाप ब्याज पर गरीबों का शोषण कर रहे हैं पूर्व में भी ब्याज के पैसों के चक्कर में कोचिंग संचालक द्वारा बड़ी चोरी को अंजाम दिया गया था।

न्याय के लिए बैलगाड़ी पर सवार होकर कलेक्टोरेट पहुंचा परिवार

माही की गूंज, मंदसौर।

बरखेड़ा पंथ से न्याय यात्रा लेकर एक परिवार मंदसौर कलेक्ट्रेट में जन सुनवाई के लिए पहुंचा। जनसुनवाई में बैलगाड़ी से पहुंचे परिवार का आरोप है कि, उनकी खेती की जमीन पर कैलाश पिता लक्ष्मीनारायण नाम के व्यक्ति ने वेयर हाउस का निर्माण कर उसकी 200 स्क्वायर फीट जमीन पर कब्जा कर लिया। कब्जे को हटवाने के लिए पीड़ित परिवार लंबे समय से अधिकारियों के चक्कर लगा रहा है। उसे स्टे आर्डर मिलने और कब्जा हटाने के निर्देश मिलने के बाद भी प्रशासन उसे न्याय नहीं दिलवा पा रहा है लिहाजा वह आज अपने पूरे परिवार के साथ बैलगाड़ी से न्याय यात्रा के रूप में कलेक्ट्रेट में जन सुनवाई के लिए पहुंचा। हालांकि, अधिकारियों ने उसे न्याय दिलाने का भरोसा दिलाया है।

सुबह 6 बजे न्याय के लिए बैलगाड़ी पर सवार होकर निकला परिवार

बरखेड़ापंथ के सुभाष पाटीदार ने बताया कि बरखेड़ापंथ से हम न्याय की आस लेकर सुबह 6 बजे कलेक्ट्रेट के लिए निकलें और यहां जनसुनवाई में पहुंचे। हमारा पूरा परिवार कृषि पर निर्भर है। लेकिन हमारी जमीन पर वेयर हाऊस संचालक ने दबंगई से दीवार बना ली। तहसीलदार को आवेदन दिया था तो उन्होंने स्थगन का आदेश भी दिया था। फिर भी हमारी जमीन पर दीवार बन गई। इसका सीमांकन भी हुआ था। लेकिन स्थानीय स्तर पर वेयर हाऊस संचालक की दबंगई के कारण सुनवाई नहीं हुई तो हम परिवार के साथ न्याय की मांग लेकर यहां पहुंचे। यहां से आश्वासन मिला है। नरेंद्र पाटीदार ने बताया कि भूमि विवाद चल रहा था। कोर्ट के स्टे के बाद भी निर्माण किया गया। सुनवाई नहीं होने के कारण न्याय की मांग को लेकर बैलगाड़ी से यहां तक पहुंचे हैं। यहां से आश्वासन दिया है और निर्माण हटवाने की बात भी कही है।

सीमांकन के दिए आदेश

एडीएम आरपी वर्मा ने बताया कि, बरखेड़ापंथ के सोहन पति कंवरलाल पाटीदार ने आवेदन दिया है कि उसके खेत की जमीन पर लक्ष्मीनारायण पोरवाल ने दीवार बनाकर कब्जा कर लिया है। दीवार वेयर हाऊस की है। इसमें बात की है तो दो तथ्य सामने आए। इनके आवेदन पर एसडीएम ने स्थगन आदेश के दिए। इसके बाद भी निर्माण हुआ तो फिर यह अधिकारी के पास गए नहीं। अधिकारी के पास जाकर बताना चाहिए था। दूसरा सीमा विवाद सामने आया है। इसमें एसडीएम को सीमांकन के निर्देश दिए हैं। इसमें यदि कब्जा आया तो हटाने के निर्देश दिए है।

क्या जिला प्रशासन भी अंधविश्वासी है- राजेश सिसनोरिया

माही की गूंज, शाजापुर।

जिले में हो रही जातिवाद, धर्मवाद से निर्मित प्रताड़ना की घटनाओं को लेकर अजास संगठन के प्रदेश मीडिया प्रभारी राजेश सिसनोरिया ने सोशल मीडिया के माध्यम से बड़ा बयान दिया है। उन्होंने बताया कि, जिला प्रशासन, सांसद, विधायक भी शर्मिंदगी महसूस करते होंगे की उसने क्षेत्र और कार्यकाल में लोग अशिक्षित हैं। उनके ज्ञान में विज्ञान की कमी है और वह इंसानियत की जगह दुर्व्यवहार करना ही सीखे है। जिले में जातिवाद, धर्मवाद, अशिक्षा, गरीबी, कब्जा, दबंगता जैसे मुद्दे रोजाना थानों में पीड़ितों की फरियाद के रूप में मिलते हैं। फिलहाल हर थानों में शिक्षित बेंठे है जो आज तक लोगों को इन मुद्दों से होने वाली प्रताडनाओ से ध्यान हटा नही पाए। प्रदेश में शिक्षा मंत्री जिले के ही हैं, लेकिन फिर भी प्रदेश तो क्या जिले में भी घोर अशिक्षा का माहोल है। आए दिन गरीब, मजदूर, दलित, पिछड़ों के ऊपर होते अत्याचार यही संदेश देते हे। क्षेत्र में मुख्य रूप से अशिक्षा, जातिवाद जैसे मुद्दों से प्रेरित घटनाएं रुकने का नाम तक नहीं ले रही है। इन सब समाज सेवको पर ये मुद्दे एक बड़ा प्रश्न चिन्ह भी खड़ा करते है। थानों में अनुसूचित जाति, जनजाति के लोगों की फरियादो की लंबी लिस्ट है। कहीं पर किसी गरीब, दलित की बारात रोकी जाती है। घोड़ी से उतारा जाता है मारपीट की जाती है। उसे अपमानित किया जाता है तो फिर वह कैसे हिंदू होने पर गर्व करेगा। क्यों की वह तो हिंदू धर्म के रितिरिवाज से ही शादी कर रहा था। अपमानित होने के बाद वह कितना असहाय महसूस करता होगा। उतना ही जितना गुलाम नेता जिसे पार्टियों में समाज की दलाली के लिए रखा जाता है। शायद जिला प्रशासन को भी उन लोगों पर गुस्सा आता होगा जो जातिवाद के चलते किसी की बारात रोकते हैं। वह सोचते होंगे कि क्या देश के हालात हैं क्या शिक्षा नीति है जो लोग अब तक लोग अज्ञानता में जी रहे हैं। जिले का चिकित्सा विभाग की शर्मिंदा होता है जब वह सुनता है की जिले के प्रत्येक गांव में बीमारियों का इलाज झाड़फूंक और जातराओ से होता है। लेकिन खुद प्रशासनिक कर्मचारी भी इन अंधविश्वासी बातो को मानते हे इसीलिए वह इन मुद्दों और प्रताड़नाओ पर लगाम नहीं लगा पाए हैं। क्या पता उनका विज्ञान का ज्ञान भी अधूरा हो। क्या जिला प्रशासन के लोग भी विज्ञान की शिक्षा से अनभिज्ञ है? क्या वह असत्य तथ्यो की आस्था रखते हैं? यही सवाल जिला प्रशासन की शिक्षा पर भी प्रश्न चिन्ह खड़ा करती है?

संसद में हमें बोलने नहीं दिया जा रहा, लखीमपुर हिंसा पर चर्चा जरूरी- राहुल

नई दिल्ली, एजेंसी।

लखीमपुर खीरी हिंसा मामले में राहुल गांधी द्वारा लोकसभा में स्थगन प्रस्ताव नोटिस देने के बाद जमकर हंगामा हुआ, जिसके चलते सदन की कार्रवाई को दोपहर दो बजे तक के लिए स्थगित करना पड़ा। कार्यवाही शुरू होते ही सांसदों ने केंद्र सरकार के खिलाफजमकर नारेबाजी की। वहीं इस मामले पर जब राहुल गांधी से सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि, केंद्र सरकार हमें बोलने नहीं दे रही है इसलिए सदन को बाधित किया जा रहा है। हमने कहा कि, लखीमपुर खीरी हिंसा पर फैसला आ गया है और इसमें एक मंत्री शामिल हैं, चर्चा की अनुमति दी जाए। लेकिन वे चर्चा नहीं करना चाहते। वे चर्चा से भाग रहे हैं।

चुनावी घोषणा के साथ शुरू हुई राजनीतिक उठापटक

माही की गूंज, भानपुरा।

मध्यप्रदेश पंचायत चुनाव की घोषणा के बाद क्षेत्र में राजनीतिक उठापटक शुरू हो गई हैं। इसी के साथ पंच-सरपंच, जनपद सदस्य, जिला पंचायत सदस्य के कई दावेदार अपनी दावेदारी जता रहे है। जिला पंचायत के वार्ड नंबर 16 की बात करें तो एक तरफ कांग्रेस के पास कोई मजबूत दावेदार नजर नहीं आ रहा है, तो वहीं भारतीय जनता पार्टी से कई चेहरे दावेदारी कर रहे हैं। इन्हीं दावेदारों में सबसे आगे विनीत राजेश यादव है, जो भाजपा के एक मजबूत दावेदार होने के साथ-साथ वार्ड वासियों की पसंद भी है। विनीत राजेश यादव स्वर्गीय विधायक राजेश यादव के पुत्र है, स्वर्गीय राजेश यादव का जुड़ाव सीधा जनता से रहा है। राजेश यादव के प्रशंसकों की तादाद क्षेत्र में लाखों में है, वह हमेशा जनता के सुख-दुख में हमेशा खड़े रहते थे राजेश यादव जिला पंचायत सदस्य, जिला पंचायत उपाध्यक्ष व गरोठ-भानपुरा विधानसभा से से दो बार विधायक भी रहे हैं। उन्होंने अपने कार्यकाल में ऐसे कार्य किए हैं जिनकी प्रशंसा कर लोग आज भी राजेश यादव को याद करते हैं। राजेश यादव के देहांत के बाद हुए उपचुनाव में उनके पुत्र विनीत राजेश यादव एक मजबूत दावेदार थे। विनीत राजेश यादव अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से कॉलेज प्रमुख बनकर अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत की, यादव भाजपा प्रदेश युवा मोर्चा में उपाध्यक्ष व कार्यकारिणी सदस्य के रूप में अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन कर चुके हैं। जिला पंचायत के वार्ड नंबर 16 से भाजपा के प्रत्याशी के रूप में विनीत राजेश यादव इसलिए भी माने जा रहे हैं, क्योंकि उनका सीधा संपर्क मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान से हैं।

इस संबंध में जब विनीत राजेश यादव से चर्चा की गई तो उनके द्वारा कहा गया कि, पार्टी जैसा तय करेंगी, मैं उसके लिए तैयार हूं, मैं पार्टी के एक कार्यकर्ता के रूप में काम करता हूँ, सबका साथ-सबका विकास के नारे के साथ हम सब कार्यकर्ता काम करते है, अगर पार्टी मुझे जनता का हित करने के लिए चुनाव में उम्मीदवार बनाएगी, तो मैं जरूर अपनी जिम्मेदारियों को पूरा करने का प्रयास करूंगा साथ ही बेहतर को ओर भी बेहतर बनाने का सतत प्रयास करने का प्रयत्न करूँगा।

कांग्रेस के सचिव सिसोदिया ने गरीब बच्चों को मिठाई और केक खिलाकर मनाया जन्मदिन

माही की गूंज, शुजालपुर।

मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव और जनभागीदारी समिति जेएनएस कॉलेज के पूर्व अध्यक्ष गजेंद्र सिंह सिसोदिया ने अपना जन्मदिन गरीब बच्चों को मिठाई व केक खिलाकर व उनको गरम कपड़े और कॉपी पेन व उत्कृष्ट मैदान पर फूटबाल खेलने वाले युवा खिलाड़ियों को फूटबाल बांटकर मनाया। जन्मदिन के अवसर पर दिन भर उनके घर पर उनके शुभचिंतक समाजसेवियो व राजनीतिज्ञ लोगो का बधाई देने के लिए तांता लगा रहा। बधाई देने वालों में मुख्य रूप से पूर्व मंत्री मध्य प्रदेश सरकार जीतू पटवारी भी पहुँचे, साथ ही जिला कांग्रेस अध्यक्ष योगेंद्र सिंह बंटी बना, पार्षदगण संजय बरेठा, पप्पू परमार, देवेंद्र परमार, अजय मोर्टे सहित सैकड़ो लोग मौजूद थे।

जावरा को मिली चिकित्सा सुविधाओं के लिए सवा 3 करोड़ से अधिक की सौगात

माही की गूंज, रतलाम।

कोरोना महामारी की दोनों लहरों में सुनियोजित रूप से प्रबंधन और जावरा विधायक डॉ. राजेन्द्र पांडेय के अथक प्रयासों से जावरा को उत्कृष्ट चिकित्सा सुविधाओं के लिए सवा 3 करोड़ रु से अधिक की सौगात मिली है जिसमे कोरोना की संभावित खतरों से नियंत्रण के लिए अत्याधुनिक नवजात शिशु वार्ड का उन्नयन के अलावा 20 बिस्तरीय बच्चों का चिकित्सालय का निर्माण किया जाएगा। शहरी चिकित्सा केंद्र का उन्नयन भी शीघ्र किया जा रहा है।

उल्लेखनीय है कि, कोरोना की पहली लहर के दौरान ही जावरा विधायक डॉ. राजेंद्र पांडेय ने जावरा विधानसभा क्षेत्र में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार के लिए योजना बनाकर राज्य शासन को प्रेषित की थी। डॉ. पांडेय इन सुविधाओं के लिए मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान के अलावा प्रशासनिक अधिकारियों से निरंतर संपर्क कर रहे थे। पहली लहर में डॉ. पांडेय ने विधायक निधि व स्थानीय प्रयास से नियंत्रण के सफल प्रयास किये। यह प्रयास कोरोना की दूसरी लहर के दौरान भी निरंतर जारी रहा। दूसरी लहर में जावरा चिकित्सालय को आदर्श चिकित्सालय बनाने के लिए तत्कालीन अनुविभागीय अधिकारी श्री राहुल धोटे व ब्लाक मेडिकल ऑफिसर डॉ. दीपक पालड़िया के साथ मिलकर डॉ. पांडेय ने विस्तृत कार्ययोजना बनाई जिसे मुख्यमंत्री श्री चौहान व वरिष्ठ अधिकारियों के समक्ष प्रस्तुत किया।

चौहान ने भी जावरा विधानसभा क्षेत्र को बेहतर बनाने के संकल्प को साकार करने में स्वीकृतियां प्रदान कर सार्थकता दी। कार्ययोजना में कोरोना की सम्भावित तीसरी लहर से निपटने के लिए बच्चों के वार्ड व आईसीयू वार्ड संसाधनयुक्त बनाया जाना था। इस प्रस्ताव को राज्य शासन ने स्वीकृति प्रदान कर दी है। जानकारी के अनुसार बच्चों के लिए 12 बिस्तरीय हाईडेंट आईसीयू व एचडीयू वार्ड को डेडिकेटेड पीडियाट्रिक केयर यूनिट के रूप में उन्नयन किया जाकर अत्याधुनिक चिकित्सा संसाधन लगाए जाएंगे। लगभग 2 करोड़ रु की लागत से इस वार्ड को उन्नयन किया जाकर बच्चों को कोरोना जैसे विभिन्न संक्रमण से बचाव के लिए उपचार किया जाएगा।

विधायक डॉ. पांडेय के प्रयासों से मुख्यमंत्री श्री चौहान ने बच्चों के नए चिकित्सालय की सौगात दी है। 20 बिस्तरीय नवजात बच्चों के इस चिकित्सालय की लागत लगभग 1 करोड़ 68 लाख 50 हजार रु है। नवीन स्वीकृति पीआइसीयू यूनिट में अत्याधुनिक चिकित्सा संसाधन उपलब्ध रहेंगे। इस यूनिट की स्वीकृति जावरा विधानसभा क्षेत्र के लिए एक बड़ी स्वास्थ्य सौगात है। जिले में जावरा को बेहतर चिकित्सा सुविधा की सौगात मिलने से जावरा विधानसभा क्षेत्र के अलावा आलोट, ताल, बड़ावदा सहित आसपास के विभिन्न क्षेत्रों के नागरिकों को लाभ मिल सकेगा। डॉ. पांडेय व अनुविभागीय अधिकारी जावरा श्री हिमांशु प्रजापति के संयुक्त प्रयास से बड़ी उपलब्धि मिल सकी है।

शहरी स्वास्थ्य केंद्र का होगा उन्नयन

पुराना अस्पताल परिसर में विधायक डॉ. राजेन्द्र पांडेय के अथक प्रयासों से बीते वर्षों में प्रारम्भ हुए शहरी स्वास्थ्य केंद्र का भवन जर्जर होने के कारण गत वर्ष बंद किया गया था जिसे प्रारम्भ करने के लिए डॉ. पांडेय लगातार विधानसभा में विभिन्न माध्यमों से प्रस्ताव रखा था।इसके अलावा मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान से भी निवेदन किया गया था, जिसे स्वीकृति दे दी गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार शहरी स्वास्थ्य केंद्र भवन के जीर्णोद्धार व उन्नयन का प्रस्ताव को स्वीकृति देकर लगभग 25 लाख रु की लागत से कार्य कराया जाकर केंद्र को शीघ्र प्रारम्भ किया जाएगा। जावरा विधानसभा क्षेत्र को उत्कृष्ट स्वास्थ्य सुविधाओं की सौगात देने पर डॉ. पांडेय ने क्षेत्र की जनता को बधाई देते हुए मुख्यमंत्री श्री चौहान व स्वास्थ्य मंत्री डॉ. प्रभुराम चौधरी के प्रति आभार व्यक्त किया है।

कोविड-19 की संभावित तीसरी लहर को देखते हुए प्रतिबंधात्मक आदेश जारी

माही की गूंज, रतलाम।

जिले में कोविड-19 की संभावित तीसरी लहर को देखते हुए तथा वर्तमान स्थिति के मद्देनजर संक्रमण की रोकथाम हेतु कलेक्टर श्री कुमार पुरुषोत्तम द्वारा दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 1973 की धारा 144 में प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए रतलाम जिले की सम्पूर्ण राजस्व सीमा क्षेत्र में प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किए हैं।

जारी आदेश के अनुसार कोविड पाजिटिव प्रकरणों की संभावित वृद्धि के नियंत्रण हेतु टेस्ट-ट्रेक-ट्रीट के टीकाकरण में गति एवं कोविड अनुकूल व्यवहारों का पालन करना अनिवार्य होगा। भीड भाड को नियंत्रित करते हुए मास्किंग, सामूहिक दूरी एवं कोविड अनुकूल व्यवहारों, खांसते, छींकते समय नाक व मुख को ढंकने संबंधी अनुशासन का पालन अनिवार्य होगा। कोविड के संभावित लक्षण वाले रोगियों की अनिवार्यतः आरटीपीसीआर, आरएटी पद्धति से जांच की जाएगी। पर्याप्त जांच सुविधाएं ग्रामीण तथा शहरी क्षेत्रों में उपलब्ध रहे तथा जिले में हाट स्पाट्स का चिन्हांकन कर ऐसे क्षेत्रों में अधिकाधिक सैम्पल संग्रहण किए जाए। पाजीटिव प्रकरणों मे हाई रिस्क एवं अधिक से अधिक अन्य कांटेक्ट्स को सूचीबद्ध कर उनकी ट्रेकिंग एवं टेस्टिंग कर निगरानी में रखा जाए।

कोविड-19 पाजीटिव प्रकरणों का प्रबंधन

कोरोना वैरिएंट की संभावना एवं तृतीय संभावित लहर के त्वरित नियंत्रण हेतु नीतिगत निर्णय अनुसार अब समस्त लक्षणयुक्त कोविड पाजीटिव प्रकरणों के लक्षण के आधार पर अस्पताल में कोविड आइसोलेशन वार्ड, कापिक आईसीयू वार्ड अथवा कोविड हाई डिपेंडेंस वार्ड में भर्ती किया जाए। केवल लक्षण रहित पाजीटिव ऐसे व्यक्ति जिनके पास पृथक हवादार एवं शौचालययुक्त कक्ष की उचित व्यवस्था हो, को चिकित्सक द्वारा पूर्ण चिकित्सकीय आंकलन उपरांत होम आइसोलेशन की अनुमति दी जा सकती है, परन्तु ऐसे व्यक्तियों का निरन्तर अनुसरण जिला स्तरीय दल द्वारा वीडियो कालिंग के माध्यम से की जाए। भारत सरकार द्वारा कोरोना संक्रमण के आधार पर चिन्हांकित यूरोप, युनाईटेड किंगडम, दक्षिण अफ्रीका, ब्राजिल, बोत्सवाना, न्यूजीलेण्ड, जिम्बाब्वे, सिंगापुर, हांगकांग, इसराइल, चीन, मारीशस से आने वाले समस्त अन्तरराष्ट्रीय यात्रियों की आरटीपीसीआर रिपोर्ट नेगेटिव आने पर यात्रियों को महत्वपूर्ण अनिवार्यतः 7 दिवस हेतु होम क्वारंटाईन किया जाए एवं 8 वें दिवस पर पुनः आरटीपीसीआर द्वारा जांच की जाए। पाजीटिव पाए गए अन्तरराष्ट्रीय यात्रियों के सेम्पल संग्रहण करते हुए उन्हें पृथक से संस्थागत आइसोलेशन में रखा जाएगा। वैरिएंट की प्रभावी निगरानी हेतु नियमित तौर पर भी सेम्पल संग्रहित कर निर्धारित प्रयोगशालाओं में प्रेषित की जाए। यदि व्यक्ति ओमिक्रोन वैरिएंट पाजीटिव पाया जाता है तो ऐसे रोगी की कडी संस्थागत आइसोलेशन में रखने का उचित प्रबंध किया जाए एवं मानक ट्रीटमेंट प्रोटोकाल का पालन तब तक सुनिश्चित किया जाए, जब तक रोगी की आरटीपीसीआर जांच निगेटिव नहीं हो जाती। यदि किसी व्यक्ति में ओमिक्रोन वैरिएंट निगेटिव पाया जाता है तो चिकित्सकीय परामर्श अनुरूप व्यक्ति को डिस्चार्ज किया जा सकता है।

कोविड-19 प्रकरणों के लिए उपचार व्यवस्थाएं

जिले में कोविड प्रकरणों की स्थिति पर कडी निगरानी रखते हुए आवश्यक स्वास्थ्य संसाधन एवं समुचित व्यवस्था की जाए। पर्याप्त आक्सीजन सिलेण्डर तथा क्रियाशील आक्सीजन कंसन्ट्रेटर की उपलब्धता ग्रामीण तथा शहरी क्षेत्रों के स्वास्थ्य संस्थाओं में रहे। समस्त शासकीय डेडिकेटेड कोविड हेल्थ सेन्टर तथा चिकत्सा महाविद्यालयीन डेडिकेटेड कोविड अस्पतालों में कोविड उपचार हेतु आवश्यक दवाईयों, सामग्री व उपकरणों की उपलब्धता अनिवार्य की जाए। बच्चों में कोविड-19 के प्रबंधन हेतु आवश्यक व्यवस्थाएं (औषधि, सामग्री एवं उपकरण) सुनिश्चित किया जाए। आदेश का उल्लंघन भारतीय दण्ड संहिता की धारा 188 के अन्तर्गत दण्डनीय अपराध होगा।

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बना सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र फिर भी मूलभूत सुविधाओं से है वंचित

माही की गूंज झकनावदा। आनंद सिंह सोलंकी

सांसद गुमान सिंह डामोर द्वारा झकनावदा में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में बदला जा रहै है। बता दे कि, कोरोना काल में भी इस स्वास्थ केन्द्र पर किसी प्रकार का कोई इलाज नहीं किया गया है। जबकि लोगों ने अपने इलाज के लिए पेटलावाद, सरदारपुर, मोहनखेड़ा, दाहोद एवं इंदौर तक गए हैं और ये भी है की अभी भी यहां पर आपातकालीन स्थिति में भी किसी प्रकार की सुविधा नहीं है, बल्कि उसको भी रायपुरिया, पेटलावद भेजा जाता हैं।

ग्रामीणों का कहना है कि, ग्राम पंचायत झकनावदा के आस-पास 19 ग्राम लगाते हैं लेकिन यहा किसी प्रकार की कोई सुविधा नहीं है और इसे प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में बदल भी दें तो भी कोई जब तक डॉक्टर सही से कार्य नहीं करेगा तब तक अस्पताल का कोई फर्क नहीं पड़ता हैं।

बता दे कि, यहां पर एक मात्र डाक्टर एमएल चोपड़ा के अलावा कोई डॉक्टर नहीं है। न ही कोई एक्स-रे डॉक्टर या स्थाई नर्स यहां पर पदस्थ है और अभी सरकार आने वाले वायरस ओमिक्रोन के लिए मुस्तैद लग रही है। ऐसी स्थिति अगर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र झकनावदा में रही तो आने वाले वायरस को कैसे कंट्रोल कर पाएंगे, यह विचारणीय है।

अभी भी कोरोना महामारी के चलते हॉस्पिटल की कोई सुरक्षा व सुविधा नहीं है। हॉस्पिटल में बिस्तर की गादी फ्टी हुई है, दीवारें बहुत ही इतनी गन्दी है, खिड़कियां खुली हुई व टूट-फुट है, टॉयलेट पूरी तरह जाम है, पानी की व्यवस्था नहीं है और स्टाफ पूरी तरीके से खाली है। सफाई व्यवस्था नहीं होने के कारण मच्छर पैदा हो रहे हैं और आस-पास के लोग भी बीमार हो रहे है।

मजे से चलता है बंगाली डाक्टरों का धंधा

शासकीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की सुविधा सही मायने में होती तो लोगो को बंगाली डाक्टरों से अपना इलाज करवाने की ओर गांव से बाहर जाने की जरूरत ही नही पड़ती। ये ही एक बड़ी वजह है कि, बंगाली डॉक्टरों का धंधा मजे से चल रहा है।

पुरे मामले में जगपाल सिंह राठौर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष पेटलावद का कहना है कि, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में बदलने का जो आदेश सांसद एवं सांसद प्रतिनिधि के द्वारा स्वास्थ्य मंत्री से पारित करवाया है, यह केवल घोषणा बनकर ही रहेगा। न तो अभी तक 20 बेड का आदेश जमीनी स्तर पर दिखा है जो स्वास्थ्य केंद्र के लिए हुआ था। वही एक्स-रे मशीन भी उपलब्ध नहीं हुई है। इनकी घोषणा केवल घोषणा ही बनकर रह जाती है।

वही विधायक प्रतिनिधि आयदान पटेल ने कहा कि, जिस शिलान्यास का यह जिक्र कर रहे हैं, न तो यहां पर कोई सांसद शिलान्यास के लिए आए हैं और न ही कोई हॉस्पिटल का शिलान्यास किया है। केवल वोट के लिए यह राजनीति खेल रहे हैं और यह प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की सुविधाएं उपलब्ध नहीं करा पाए हैं। वास्तविक में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बनेगा भी या नही। यह केवल झूठा आश्वासन है और यह सब झूठी बातें हैं। केवल वोट लेने के लिए यह सब कर रहे हैं।

बहुत ही मजेदार विधा है माइम

माही की गूंज, बड़वानी।

प्राचार्य डॉ. एनएल गुप्ता के मार्गदर्शन में कार्यरत शहीद भीमा नायक शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय बड़वानी के स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्षन प्रकोष्ठ द्वारा विद्यार्थियों को माइम का प्रषिक्षण दिया जा रहा है। मुख्य प्रशिक्षक राहुल वर्मा ने बताया कि, माइम का मतलब होता है मुक अभिनय। इसमें बिना बोले हावभाव और अभिनय से कथानक को प्रस्तुत करना होता है।

कार्यकर्ता प्रीति गुलवानिया और किरण वर्मा ने बताया कि, माइम सीखना और उसे प्रस्तुत करना जहां रोचक है, वहीं चुनौतीपूर्ण भी है। आपके पास संवाद नहीं है, लेकिन एक कहानी है, जिसको सीमित समय में अभिव्यक्त करना होता है। माइम का प्रषिक्षण प्राप्त कर रहे विद्यार्थियों उमा फूलमाली, साक्षी परमार, सुरेष कनेष, अंषुमन धनगर, प्रदीप ओहरिया आदि ने कहा कि बहुत अभ्यास की जरूरत है तभी हम इसके परफेक्ट रूप में प्रस्तुत कर पायेंगे। सहयोग राहुल भंडोले, कोमल सोनगड़े, वर्षा मालवीया, नंदिनी अत्रे, रवीना मालवीया ने दिया।

नपा सीएमओ ने किया निर्माण कार्यों का निरीक्षण

माही की गूंज, खरगोन। नगरपालिका सीएमओ सुश्री प्रियंका पटेल ने शहर में चल रहे विभिन्न स्थानों पर सीसी रोड़, डामरीकरण रोड़ एवं नाली निर्माण के कार्यों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान नपा सीएमओ सुश्री पटेल ने इंजीनियरों को निर्देशित किया कि, निर्माण कार्य में किसी प्रकार की लापरवाही न बरते और कार्य गुणवत्तापूर्ण होना चाहिए। शहर में चल रहे सीसी रोड़, डामरीकरण रोड़, एवं नाली निर्माण के कार्यों को समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं।

पिटोल हत्याकांड के विरोध में बाजार रहा बंद

माही की गूंज, मेघनगर।

बुधवार सुबह से ही मेघनगर में हिंदू समाज द्वारा मेघनगर को बंद कराया गया। बस स्टैंड, साई चौराहा, रेलवे स्टेशन रोड, भंडारी चौराहा, झाबुआ चौराहा, थाना चौराहा के साथ रेलवे कॉलोनी, टेंपो स्टैंड सभी जगह बंद रहा। होटल से लेकर पान की दुकान, चाय की दुकान, किराना आदि सभी व्यापारी युवाओं ने अपने अपने प्रतिष्ठान बंद रखें और 12 बजे के लगभग सभी दशहरारा मैदान पर एकत्रित हुए। वहां से नारे लगाते हुए नगर के प्रमुख मार्गो से होते हुए पुलिस थाने पर पहुंचे। जहां पर हिंदूवादी संगठन ने इस हत्या के विरोध में एसडीएम मनोहर गवली, टीआई तूरसिंह डावर को ज्ञापन दिया और कड़ी से कड़ी कार्रवाई हो उसकी मांग की। साथ ही बाहर से आए असामाजिक तत्व जो मेघनगर में रह रहे हैं उनकी भी जांच की जाए व उन पर भी कार्रवाई की जाए की मांग की गई। पिटोल में जिस व्यक्ति की हत्या हुई है उसके परिवार को शासन की तरफ से मुआवजा और सरकार की तरफ से सहायता परिवार को की जाए और जिले में भविष्य में ऐसी घटना न हो और जो पकड़े हुए उनके ऊपर कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाए व बाकी के अपराधियों को ढूंढ कर उन पर भी कार्रवाई की जाने की मांग ज्ञापन के माध्यम से की गई।

मार्कण्डे महापुराण कथा के अंतिम दिन निःशुल्क स्वास्थ शिविर का हुआ आयोजन

माही की गूंज, बडवाह। श्री दादा दरबार आश्रम में विगत सात दिनों से चल रही मार्कण्डे महापुराण कथा के अंतिम दिवस पर श्री दादा दरबार हॉस्पिटल नावघाट खेड़ी में श्री श्री 1008 रामेश्वर दयाल अर्थात छोटे सरकार साहब के सानिध्य में दो दिवसीय निःशुल्क स्वास्थ शिविर का आयोजन किया गया। प्रथम दिवस बुधवार को 650 मरीजों ने स्वास्थ शिविर का लाभ उठाया। शिविर में चिकित्सक डॉ. नीलम गोखले एवं डॉ. नंदकिशोर सैंदानी द्वारा 12(हिस्ट्रेक्टोमी) बड़ा ऑपरेशन बच्चादानी का तथा 10 हर्निआ और 9 सीजर ऑपरेशन के मरीजों का पंजीयन किया। साथ ही डॉ. राजेंद्र मंडलोई द्वारा हड्डियों में केल्सियम कमी की जांच निःशुल्क की गई वही नेत्र विभाग में 25 मोतियाबिंद के मरीजों के ऑपरेशन का पंजीकरण किया गया। 16 दिसम्बर गुरुवार को भी शिविर में मरीज़ों का पंजीकरण कर ऑपरेशन किया जाएगा।

दो दिवसीय निःशुल्क स्वास्थ शिविर

संचालक बिट्टू बबुटा ने बताया कि, परामर्श निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर के प्रथम दिवस 650 मरीजो ने स्वास्थ्य शिविर का लाभ उठाया। वही हड्डियों में कैल्शियम की जांच निःशुल्क की गई। साथ ही मरीजो के खून की जांचों में 50 प्रतिशत की छूट दी गई। साथ ही स्त्रीरोग आपरेशन नार्मल डिलीवरी 2 हजार रुपये एवं सीजर आपरेशन (बच्चादानी)10 हजार रुपये में किये गए। मोतियाबिंद तथा टेरीजीयम ऑपरेशन बिना चीरा टाका के फेको मशीन द्वारा फोलिंडग लेंस 7 हजार रुपये में किया गया। निःशुल्क स्वास्थ जांच शिविर में नेत्र रोग परामर्श, ब्लड प्रेशर चेकअप, ब्लड शुगर चेकअप वगैरह सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएगी।क्षेत्र की जनता से आग्रह है कि अधिक से अधिक संख्या में शिविर का लाभ लेने की अपील की।

सरपंच, जनपद सदस्य व जिला प ंचायत सदस्यों के नाम निर्देशन पत्र हुए प्राप्त

माही की गूंज, खरगोन। त्रिस्तरीय पंचायत आम निर्वाचन 2021-22 के लिए कसरावद जनपद में बुधवार को सरपंच पद के लिए कुल 4 नाम निर्देशन पत्र सहायक रिर्टनिंग अधिकारी को प्राप्त हुए। जिसमें 3 पुरूषों एवं एक महिला ने सरपंच पद के लिए आवेदन प्रस्तुत किया। इसी तरह झिरन्या जनपद में जनपद सदस्य के लिए एक नाम निर्देशन पत्र प्राप्त हुआ। वहीं जिला पंचायत सदस्य के लिए एक नाम निर्देशन पत्र कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ने प्राप्त किया। समाचार लिखे जाने तक महेश्वर और बड़वाह जनपद की जानकारी प्राप्त नहीं हो सकी।

पंचायत चुनाव का मामला हाई कोर्ट में होगा तय- सुप्रीम कोर्ट

भोपाल। मध्य प्रदेश पंचायत चुनाव को लेकर आखिरकार सुप्रीम कोर्ट ने सुप्रीम फैसला सुना दिया है। बुधवार को हुई सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने जबलपुर हाईकोर्ट को दोबारा से पूरे मामले पर सुनवाई करने के निर्देश दिए है, अब हाईकोर्ट में 16 दिसंबर को सुनवाई होगी। बता दें कि, इससे पहले हाईकोर्ट ने पंचायत चुनाव पर रोक लगाने से इनकार कर दिया था। लेकिन अब फिर से इस मामले की सुनवाई हाईकोर्ट में होगी।

आज होगी सुनवाई

सुप्रीम कोर्ट ने पांचवीं बार में सुनवाई की और कांग्रेस नेता सैयद जाफर और जया ठाकुर की तरफ से पंचायत चुनाव को लेकर दायर की रिट पिटीशन याचिका पर सुनवाई की। दोनों ने मध्यप्रदेश पंचायत चुनाव में सरकार द्वारा रोटेशन के आधार पर आरक्षण न करने के खिलाफ रिट पिटीशन दायर की थी। इस याचिका की पैरवी अधिवक्ता वरुण ठाकुर ने की थी।

सुप्रीमकोर्ट ने हाईकोर्ट को दिया निर्देश

पंचायत को लेकर बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई, सुनवाई के दौरान सभी दलीलें सुनने के बाद अब सुप्रीम कोर्ट इस याचिका को हाईकोर्ट में दाखिल बाकी याचिकाओं के साथ मर्ज करते हुए हाईकोर्ट को पंचायत चुनावों से जुड़ी सभी याचिकाओं पर सुनवाई करने के निर्देश दिए हैं। हाईकोर्ट ने इसे मानते हुए सभी याचिकाओं पर गुरूवार को सुनवाई तय कर दी है। सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र सरकार के ओबीसी का कोटा बढ़ाने के खिलाफ दायर याचिका के साथ ही मध्यप्रदेश पंचायत चुनाव में रोटेशन का पालन नहीं करने वाली याचिका को मर्ज कर दिया है। यानि अब पंचायत चुनाव से जुड़ी सभी याचिकाओं की सुनवाई हाईकोर्ट में होगी।

कांग्रेस नेता ने कही ये बात

वहीं सुप्रीम कोर्ट में रिट पिटीशन याचिका दायर करने वाले कांग्रेस नेता सैय्यद जफर ने कहा कि, हम सीएम शिवराज से इस बात की मांग करते हैं कि वह सुप्रीम कोर्ट के आदेश का पालन करते हुए ग्राम पंचायत चुनाव में भी रोटेशन का नियम लागू करें। 2014 के आरक्षण को निरस्त करते हुए 2022 में होने वाले पंचायत चुनाव में रोटेशन का पालन करें. क्योंकि इस बात को सुप्रीम कोर्ट ने भी माना है कि मध्य प्रदेश सरकार का ऑर्डिनेंस संविधान के खिलाफ था। इसलिए अब नए सिरे से आरक्षण किया जाए।

बता दें कि, शिवराज सरकार ने 2014 के आरक्षण के आधार पर पंचायत चुनाव कराने का फैसला लिया है, जिसेक विरोध में कांग्रेस हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट पहुंच गई थी। पहले हाईकोर्ट में जब सुनवाई हुई थी, तब कोर्ट ने पंचायत चुनाव पर रोक लगाने से इनकार कर दिया था। जिसके बाद मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा था, लेकिन अब सुप्रीम कोर्ट ने भी रोक लगाने से इनकार कर दिया है।

18 दिसंबर को होगा जिला पंचायत अध्यक्ष पद का आरक्षण

वहीं 18 दिसंबर को अब जिला पंचायत अध्यक्ष पद का आरक्षण होगा। पंचायती राज के संचालक आलोक कुमार सिंह के अनुसार मध्यप्रदेश पंचायत राज स्वराज अधिनियम की धारा 32 और मध्यप्रदेश पंचायत (उप सरपंच, अध्यक्ष और उपाध्यक्ष) निर्वाचन अधिनियम 1995 के अनुसार अध्यक्ष जिला पंचायत पदो के आरक्षण की कार्रवाई अब 18 दिसंबर को होगी। पूर्व में यह मंगलवार 14 दिसंबर को होने वाली थी। पंचायती राज के संचालक ने इस संदर्भ में जिलाधिकारियों और पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों के लिए आदेश भी जारी कर दिया है।

संभाग के लिए पीजी कॉलेज के 9 खिलाड़ियों का हुआ चयन

माही की गूंज, खरगोन।

शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में मंगलवार को संभाग के लिए अंतर महाविद्यालय जिला स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में जिले के 4 महाविद्यालयों ने भाग लिया। शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के 9 खिलाड़ी, रेवा गुर्जर महाविद्यालय सनावद से एक, शासकीय महाविद्यालय बड़वाह से एक, शासकीय महाविद्यालय कसरावद से एक खिलाडी का चयन हुआ। खिलाड़ियों का चयन निर्णायक दल में कोच अब्दुल समद, क्रीडा अधिकारी डॉ. दयाराम राजपूत व उच्छम सिंह रावत द्वारा किया गया। प्रतियोगिता का आयोजन आईक्यूएसी प्रभारी डॉ. शैल जोशी की अध्यक्षता में क्रीडा अधिकारी डॉ. गगन कुमार चौधरी द्वारा किया गया।

वर्मा होंगे पंचायत निर्वाचन प्रेक्षक

माही की गूंज, खरगोन। राज्य निर्वाचन आयोग ने प्रदेश में त्रिस्तरीय पंचायत आम निर्वाचन 2021-22 के लिए प्रेक्षकों की नियुक्ति कर दी है। जिले में पंचायत निर्वाचन के लिए सेवानिवृत आईएएस अशोक कुमार वर्मा को प्रेक्षक नियुक्त किया है। प्रेक्षक अशोक कुमार वर्मा जिले की 9 जनपद पंचायतों के आम निर्वाचन के लिए नाम निर्देशन प्राप्त करने की अंतिम तारीख से 2 दिन पहले से निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थियों को निर्वाचन प्रतीकों के आवंटन होने तक पर्यवेक्षण कार्य करेंगे। वे जिले के तीनों चरणों के प्रेक्षक नियुक्त हुए है। प्रेक्षक श्री वर्मा मतदान, मतगणना एवं सारणीकरण तथा निर्वाचन परिणामों की घोषणा के समय भी पर्यवेक्षण कार्य देखेंगे।

मेहनत रंग लाईः स्नातकोत्तर महाविद्यालय ने पाई बी प्लस प्लस ग्रेड

माही की गूंज, खरगोन।

शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय खरगोन ने एक बार पूनः अपनी सफलता का परचम लहराया है। नैक मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद के तृतीय चरण में महाविद्यालय ने स्केल आधारित गणना में 2.81 सीजीपीए के साथ बी प्लस प्लस ग्रेड प्राप्त की है।

उल्लेखनीय है कि, गत 9 एवं 10 दिसंबर को नैक पियर टीम द्वारा महाविद्यालय में निरीक्षण किया था। निरीक्षण में नैक पियर टीम ने महाविद्यालय के सुदृढ आधारभूत ढांचे, प्रशिक्षित शैक्षणिक स्टाफ, विशाल छात्र संख्या, आधुनिक उपकरणों से सुसज्जित कम्यूधार टर एवं लैंग्वेषज लैब, स्मार्ट क्लासरूम, सर्व सुविधा युक्त मल्टीपरपज इनडोर स्टेडियम, ऑडिटोरियम, विशाल खेल का मैदान इत्यादि विशेषताओं की सराहना की।

महाविद्यालय को यह ग्रेड पिछले पांच वर्षों की क्रियाकलापों के आधार पर अगले पांच वर्षों के लिए प्राप्तल हुई है। गुणवत्ताल में सुधार हेतु नैक पियर टिम द्वारा कुछ महत्वलपूर्ण सुझाव दिये गए, बालक एवं बालिका छात्रावास को नवीनीकृत किया जाए। कला, संगीत, नृत्यक, गृह विज्ञान, प्रोफेशनल एवं वोकेशनल कोर्स, स्थानीय आवश्यृकताओं के अनुसार कृषि , मतस्य पालन आदि के पाठ्यक्रम संचालित किये जाए। कॅरियर काउंसिल एवं प्लेासमेंट को सुदृढ किया जाये एवं प्रतियोगि परीक्षाओं की निः शुल्क कक्षाए संचालित कि जाए।

आईसीटी सूविधाओं को ओर अधिक बेहतर बनाया जाए। प्राध्यापको को शोध एवं पब्लिकेशन के लिए प्रोत्साहित किया जाए। छात्रों की संख्याा के अनुसार भौतिक सुविधाए उपलब्ध कराई जाए। महाविद्यालय परिवार ने विगत 3 वर्षों के कठोर परिश्रम एवं निरंतर अथक प्रयासों से अपने स्तर मैं वांछित सुधार करते हुए यह ग्रेड प्राप्त की है। प्राचार्य डॉ डीडी महाजन, आईक्युएसी प्रभारी डॉ. शैल जोशी एवं वरिष्ठ प्राध्याधपक डॉ. आरएस देवडा के मार्गदर्शन में नैक मूल्यांकन के लिए समिति एवं क्राइटेरिया प्रभारियों को दायित्व सौंपा गया था। नैक मूल्यांकन के लिए सेल्फस्टडी रिपोर्ट को पूर्ण करने के लिए एवं समय-समय पर तैयार करने एवं प्रेषित करने से लेकर अन्य आवश्यक कार्य डॉ. दिनेश चौधरी के निर्देशन में कंप्यूटर प्राध्यापक प्रो. राहुल मानवे एवं प्रकाश चौधरी, चेतन शर्मा, शुभम गुप्ता तथा अन्य तकनीकी सदस्यों का उल्लेखनीय योगदान रहा। सेल्फस्टडी रिपोर्ट में भाषा संबंधित सुधारों के लिए अंग्रेजी विभाग के प्राध्यापकों डॉ. रविंद्र बर्वे, डॉ. तुषार जाधव, प्रो. गगन पाटीदार और डॉ. रंजीता पाटीदार का विशेष योगदान रहा। वित्तिय अभिलेखों के संधारण एवं उनकी जानकारी समय-समय पर उपलब्ध् कराने में प्रो. ललित कुमार भटानिया एवं दिलिप चौहान का उल्लेखनीय योगदान रहा।

ऊर्जावान रहने के लिए जरूरी है व्यायाम

असाड़ा राजपूत समाज की गडात रोड स्थित संस्कार धाम पर श्रेष्ठ पहल

माही की गूंज, अलीराजपुर।

योग हो या एक्सरसाइज इन दोनों को करने से ही आपका शरीर पूरी तरह स्वस्थ रहता है, व्यायामों को अपनी जीवनचर्या में शामिल कर ऊर्जावान रह सकते हैं और एक्सरसाईज मशीन की मदद से आप हमेशा फिट नजर आएंगे। उक्त विचार स्थानीय असाड़ा राजपूत समाज द्वारा गडात रोड स्थित संस्कार धाम पर नवीन ओपन जिम एक्सरसाईज मशीन के शुभारंभ के अवसर पर व्यक्त किये। साथ ही उन्होंने कहा कि, संस्कार धाम के सुव्यवस्थित प्रबंधन , सामाजिक सेवा भावना एवं क्रीड़ा गतिविधियों के लिए समाज के श्रेष्ठ प्रकल्प की सराहना की।

विशेष अतिथि जिला खेल अधिकारी संतारा निनामा ने कहा कि, संस्कार क्रिया के इस स्थान को जो बहुत ही असंतुलित था, उसे सुव्यवस्थित बनाने की पहल की वह सराहनीय हैं। इस स्थल के लिए खेलकूद क्रीड़ा गतिविधियों के लिए जो भी सहयोग प्रशासन स्तर पर होगा, उसके हमेशा तत्पर रहेंगे। संस्कार धाम के संबंध में समाज अध्यक्ष राजेश जी चंदेल ने योजना की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की।

समाज के मीडिया संयोजक उमेश वर्मा कछवाहा ने जानकारी देते हुए बताया कि, समाज द्वारा पूर्व में उक्त स्थल पर जीर्णोद्धार की प्रेरणादायी अभिनव पहल कर पूर्व में श्रमदान, वृक्षारोपण सौंदर्यीकरण कर वाटिका निर्माण किया गया था। इस श्रृखंला में श्रेष्ठ स्वास्थ्य को लेकर बंधुओं, मातृशक्ति, युवाओं और बच्चों के लिए नवीन ओपन जिम एवं प्लेटफार्म का निर्माण समाजजनों के सहयोग से किया गया। कार्यक्रम में समाज के पूर्व अध्यक्ष चंदरसिंह गेहलोत, अरूण गेहलोत, समाज के वरिष्ठ पर्वत सिंह राठौर व संस्कार धाम समिति अध्यक्ष नरेश सिंह वाघेला भी मंचासीन थे। कार्यक्रम के शुभारंभ में अतिथियों ने फीता काटकर ओपन जिम का उद्घाटन किया। अतिथियों का स्वागत समाज अध्यक्ष राजेश सिंह चंदेल, उपाध्यक्ष रिंकेश सिंह तंवर , महिला उपाध्यक्ष श्रीमती आरती सोलंकी, सचिव राहुल सिंह परिहार , सहसचिव शैलेषसिंह वाघेला, कोषाध्यक्ष सुदेश सिंह वाघेला, मीडिया संयोजक उमेश वर्मा कछवाहा एवं संस्कार धाम समिति के उपाध्यक्ष रितेश सिंह तंवर एवं क्षत्रिय राजपूत युवा मंच के अध्यक्ष राकेश चौहान ने किया। समाज के पदाधिकारीयों एवं पूर्व अध्यक्ष राजेश राठौर ने अतिथियों के संस्कार धाम के भ्रमण के दौरान स्थल के परिप्रेक्ष्य में अवगत कराया कि, संस्कार धाम जहाँ मात्र उत्तर क्रिया मुंडन कराने के लिए उपयोग में आता हैं अब तंदुरूस्ती के लिए व्यायाम, कसरत से सभी का स्वास्थ्य लाभ होगा ।

कार्यक्रम का संचालन समाज के पूर्व अध्यक्ष हेमंत सिंह सिसोदिया ने किया एवं आभार समाज के उपाध्यक्ष रिंकेश सिंह तंवर ने माना। इस तारतम्य में समाजजनों से स्वास्थ्य लाभ लेने का अनुरोध किया गया। कार्यक्रम में पूर्व अध्यक्ष विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी एवं सैकड़ों समाजजन उपस्थित थे। कार्यक्रम को सफल बनाने में क्षत्रिय युवा संगठन एवं समाजजनों का सराहनीय सहयोग रहा।

टीकाकरण हेतु आमजन को कर रहे प्रोत्साहित

माही की गूंज, अलीराजपुर।

कलेक्टर मनोज पुष्प के मार्गदर्शन में जिले में कोविड-19 से बचाव के लिए टीकाकरण हेतु विशेष प्रयास किये जा रहे है। मैदानी अमला आमजन को कोरोना से बचाव हेतु टीकाकरण की दोनों डोज लगवाने के लिए लगातार प्रेरित कर रहा है। इसके लिए विशेष टीकाकरण शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। अधिकारीगण के साथ-साथ मैदानी अमले के द्वारा आमजन को कोविड अनुकूल व्यवहार हेतु जागरूक करने के विशेष प्रयास किए जा रहे है इन प्रयासों में स्वास्थ्य कार्यकर्ता, आंगनवाडी कायर्कता, चैकीदार, कोरोना वोलेंटियर्स टीकाकरण हेतु ग्रामीणों को प्रेरित कर रहे है। उक्त प्रयासों से जिले में प्रतिदिन बडी संख्या में 18 वर्ष से अधिक आयु के व्यक्तियों का प्रथम एवं द्वितीय टीका लगाने का कार्य तेज गति से सम्पादित हो रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों के साथ-साथ नगरीय क्षेत्र में टीकाकरण सत्र आयोजित कर बाजार में आने-जाने वाले एवं बसों के माध्यम से आने-जाने वाले व्यक्तियों का टीकाकरण किया जा रहा है। अलीराजपुर में बस स्टैंड के साथ-साथ टॉकीज चैराहा क्षेत्र में टीकाकरण कैम्प लगाकर आमजन का टीकाकरण किया गया। उक्त टीकाकरण सत्र में बडी संख्या में आमजन ने टीकाकरण कराया। वहीं जिलेभर में कोविड-19 से बचाव हेतु टीकाकरण सत्रों का आयोजन किया जा रहा हैए जिसके माध्यम से जिलेवासियों को टीकाकरण हेतु प्रोत्साहित कर टीके की दोनों डोज लगवानें के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। एसडीएम अलीराजपुर श्रीमती लक्ष्मी गामड ने टीकाकरण सेन्टरों का भ्रमण कर टीके की दोनों डोज लगाने हेतु आमजन को प्रोत्साहित किया।

अवैध संचालित 25 ऑटो पर चालानी और जप्ती की कारवाई

माही की गूंज, अलीराजपुर।

हाई कोर्ट के आदेशानुसार एवं कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी मनोज पुष्प के मार्गदर्शन में जिले में जिला परिवहन अधिकारी वीरेन्द्रसिंह यादव तथा पुलिस के सहयोग से जिले के विभिन्न थानान्तगर्त 25 ऑटो रिक्शा पर चालानी कारवाई करते हुए जप्ती की कारवाई की गई है।

आरटीओ यादव ने बताया, जिले में लगातार अवैध संचालितऑटो रिक्शा पर कारवाई की जा रही है। उन्होंने बताया, जिले में अवैध रूप से संचालित ऑटो रिक्शा के संचालक ऑटो रिक्शा के दस्तावेज जिला परिवहन कायार्लय अलीराजपुर से पूर्ण कराते हुए फिटनेस परमीट की कारवाई सुनिचित कराकर ही वाहन का संचालन करें।

शहीद जवानों को अर्पित की श्रद्धांजलि

माही की गूंज, आम्बुआ।

भारतीय सेना के अनमोल रत्न जनरल विपिन रावत की शहादत को देश कभी भुला नहीं सकता, उनकी देश सेवा का जज़्बा भारत हमेशा याद रखेगा। उनकी शहादत को सलामी देते हुए देश के कोने-कोने से श्रद्धांजलि अर्पित की जा रही है। जनरल विपिन रावत और उनके साथी जवानों की याद में ग्राम आम्बुआ में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया, जिसमें आम्बुआ के गणमान्य उपस्थित हुए। श्रद्धांजलि कार्यक्रम पंचायत परिसर में आयोजित किया गया। जिसमें भारत माहेश्वरी, विकास (विक्की) महेश्वरी, आनंद कुमार वर्मा, दीपक परिहार, संतोष राठौड़, रमेश बघेल, अनिल खंडेलवाल, मांगीलाल जायसवाल, ब्रजेश खंडेलवाल, अरविंद राठौर, राकेश राठौड़ , बबलू डावर, संजय सिसोदिया और शाउमावि आम्बुआ के प्राचार्य नरेंद्र कुमार भारद्वाज, मुकेश डावर, गोपाल चौहान आदि उपस्थित हुए और सभी ने मिलकर श्रद्धांजलि अर्पित की

कलेक्टर ने दो एम्बुलेन्स को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

माही की गूंज, अलीराजपुर।

परिवार श्री राम कृष्ण विवेकानंद सेवा कुटीर, परिवार एजुकेशन सोसायटी द्वारा प्रदाय दो एम्बुलेन्स को कलेक्टर मनोज पुष्प ने फीता काटकर एवं हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर उन्होंने उक्त एम्बुलेन्स की सुविधाओं का अवलोकन भी किया। उक्त एम्बुलेन्स में व्हील स्टैचरए फ्रस्ट एड बाक्स उपलब्ध है। साथ आक्सीजन सिलेन्डर स्थापित किये जाने की व्यवस्था भी उक्त वाहन में उपलब्ध है। उक्त सोसायटी द्वारा अब तक जिले में तीन एम्बुलेन्स प्रदाय की गई है। जोबट, कट्ठीवाडा एवं उदयगढ क्षेत्र के दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों के आमजन को उक्त एम्बुलेन्स से निःशुल्क स्वास्थ्य परिवहन की सेवा उपलब्ध होगी। संस्था द्वारा जिले में अब तक तीन एम्बुलेन्स प्रदाय की गई है।

इस अवसर पर संस्था के जिला समन्वयक अजय देवडा एवं गोलू आस्के ने बताया, परिवार एजुकेशन सोसायटी द्वारा अब तक तीन एम्बुलेन्स जिले को प्रदाय की गई है। इसके माध्यम से दूरस्थ ग्रामीण अंचल के ग्रामीणों को उक्त एम्बुलेन्स से निःशुल्क स्वास्थ्य परिवहन की सेवा प्राप्त होगी। उन्होंने बताया, इस एम्बुलेन्स पर चालक-परिचालक, ईधन आदि का खर्च सोसायटी द्वारा वहन किया जाएगा।

गीता के उपदेश साक्षात नारायण के अवतार भगवान श्रीकृष्ण के श्रीमुख से सामने आए हैं-पण्डित विश्वनाथ शुक्ला

50 वें श्री गीता जयंती महोत्सव में चारभूजानाथ मंदिर में त्रिदिवसीय गीता पाठ महोत्सव का हुआ समापन

माही की गूंज, झाबुआ।

जिंदगी की हर परेशानी को दूर करने और बेहतर जिंदगी के लिए गीता जयंती का दिन बेहद खास माना जाता है। दरअसल, मार्गशीर्ष माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी को मोक्षदा एकादशी यानी कि मोक्ष वाली एकादशी कहा जाता है। इस दिन को गीता जयंती के रूप में मनाया जाता है। इसी एकादशी पर भगवान श्रीकृष्ण ने कुरुक्षेत्र में अर्जुन को गीता का ज्ञान दिया था। श्रीमद्भागवत गीता एकमात्र ऐसा ग्रंथ हैं, जिसकी जयंती मनाई जाती है, बाकी सभी ग्रंथों को मनुष्य द्वारा संकलित करा गया है। वहीं गीता के उपदेश साक्षात नारायण के अवतार भगवान श्रीकृष्ण के श्रीमुख से सामने आए हैं, ऐसे में गीता को महाग्रंथ का दर्जा दिया जाता है। उक्त बात दशा नीमा समाज द्वारा आयोजित श्री चार भूजा नाथ मंदिर में 12 से 14 दिसम्बर यानी मोक्षदा एकादशी के अवसर पर आयोजित 50 वें गीता जयंती समारोह के अवसर पर श्रीमद भगवद गीता के पाठ के दौरान पण्डित विश्वनाथ शुक्ला ने उपस्थित श्रद्धालुओं को व्यक्त किए।

श्री शुक्ला ने कहा कि, गीता जयंती और मोक्षदा एकादशी वाले दिन श्रीमद्भागवद् गीता के साथ भगवान कृष्ण और महर्षि वेदव्यास की भी पूजा-अर्चना की जाती है। गीता के उपदेशों के जरिए भगवान ने जीवन का संपूर्ण सार बताया है। गीता के ज्ञान से हम धैर्य, दुख, लोभ व अज्ञानता से बाहर आते हैं. गीता मात्र ग्रंथ नहीं है, बल्कि अपने आप में संपूर्ण जीवन है। मान्यता है कि गीता जयंती के दिन श्रीमद्भागवत गीता के दर्शन मात्र से ही पुण्य की प्राप्ति हो जाती है। इस दिन गीता के श्लोकों को पढ़ा जाता है. इसका पाठ करने के लिए वाचन के पूर्व जन्म के दोष दूर हो जाते हैं।

श्री चार भूजा नाथ मंदिर में सायंकाल 7 बजे से 12 से 14 दिसम्बर तक गीता जयंती मोक्षदा एकादशी पर गीता जयंती समारोह समिति द्वारा श्री गीताजी का पाठ का अभिनव आयोजन किया गया। प्रतिदिन मां गीताजी की पूजा आराधाना विधिवत सम्पन्न की गई तथा उपस्थित श्रद्धालुओं को प्रसादी का वितरण किया गया। मोक्षदा एकादशी के अवसर पर श्री गीता जयंती समारोह का समापन रात्री में किया गया। इस अवसर पर गीता श्लोकों के सामवेत पाठ के साथ हीमां गीताजी की शास्त्रोक्त मंत्रों के साथ पूजा अर्चना की गई। पण्डित विश्वनाथ शुक्ला ने इस अवसर पर गीताजी के माहत्म्य पर उदबोधन दिया। इस अवसर पर हरिश शाह, शेषनारायण मालवीय, कन्हैयालाल राठौर, सुधीर तिवारी, छोगालाल मालवीय, राजेन्द्र सोनी, रमेश मालवीय, शारदाबेन शाह, ज्योति शाह, श्रीमती तिवारी, शशिकांत वरदिया, श्रीमती शिवकुमारी सोनी, लाला शाह, ललीत शाह, जय प्रकाश शाह, पुरूषोत्तम चौहान सहित बडी संख्या में वुरूष एवं महिला श्रद्धालुजनों ने सहभागिता की।

जल शक्ति अभियान एवं कैच द रेन के अंतर्गत जिले के विभिन्न ग्रामों का हुआ जल चौपाल का आयोजन

माही की गूंज, झाबुआ।

युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार के अंतर्गत नेहरू युवा केंद्र झाबुआ द्वारा जिले में जल संरक्षण के लिए अभियान चलाए जा रहे हैं। यह अभियान जिला स्तर से लेकर ग्राम स्तर तक विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से चलाया जा रहा है। जिसके अंतर्गत जल संवाद, जल चौपाल, नुक्कड़ नाटक, जल संरक्षण आधारित प्रतियोगिताएं, जिला स्तरीय पोस्टर विमोचन, वॉल पेंटिंग, वेबिनार के माध्यम से लोगों को जल बचाने एवं वर्षा जल संग्रहण के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

जानकारी देते हुए नेहरू युवा केंद्र की जिला युवा अधिकारी प्रीति पंघाल ने बताया कि, यह कार्यक्रम जल शक्ति मंत्रालय द्वारा चलाया गया है। जिसके माध्यम से आमजन को बारिश का पानी घर पर ही सहेजने एवं बारिश में घर की छत का पानी इकट्ठा करने के लिए वॉटर हार्वेस्टिंग स्ट्रक्चर के प्रयोग के बारे में बताया जा रहा है। इस अभियान की शुरुआत झाबुआ जिले में कलेक्टर सोमेश मिश्रा के मार्गदर्शन में जिले के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा पोस्टर का विमोचन करके की गई है।

जल चौपाल में जल को बचाने के तौर-तरीके बताए गए

इसी क्रम में जिले के विभिन्न गांव में जल चौपाल का आयोजन किया गया। जल चौपाल में गांव के वरिष्ठ नागरिकों एवं युवाओं द्वारा गांव में पानी की समस्या एवं उसके समाधान पर चर्चा की गई। चर्चा के दौरान खेत में कम पानी का प्रयोग कर पैदावार बढ़ाना, तालाब निर्माण, पानी का पुर्नप्रयोग, भूमिगत टैंक में जल वर्षा का जल संग्रहण एवं जल बचाने हेतु सामान्य तरीकों पर बातचीत की गई। जल चौपाल का आयोजन नेहरू युवा केंद्र के वॉलंटियर्स पारमसिंह राठौर, दीपिका गवली, दीपक बरिया, सुभाष डामोर एवं सुनील मावी द्वारा जिले के ग्राम धामंदा, तारखेड़ी, बरोड़, नवापाड़ा, बेडावा समेत अन्य गांवों में किया गया।

पत्रकार राजेश खण्डेलवाल का निधन

माही की गूंज, आम्बुआ।

आम्बुआ निवासी राजेश खण्डेलवाल (50) वरिष्ठ पत्रकार का मंगलवार की सुबह आकस्मिक देवलोकगमन हो गया है। वे काफी दिनों से अस्वस्थ थे। महेश खण्डेलवाल, ब्रजेश खण्डेलवाल एवं रविन्द्र खण्डेलवाल के भ्राता थे। सरल हृदय मृदुभाषी श्री खण्डेलवाल धार्मिक प्रवत्ति के थे। वे अपने पीछे पत्नी, तीन पुत्री एक पुत्र और भरा पूरा परिवार छोड़ गए है।उनका अंतिम संस्कार आम्बुआ हथनी नदी के तट पर किया गया। उनकी अंतिम यात्रा में बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक ओर समाजजन शामिल हुए और उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। उनके निधन पर गहरा शोक प्रकट करते हुए पत्रकार संघ आम्बुआ के वरिष्ठ पत्रकार जगराम विश्वकर्मा, अध्यक्ष गोविंदा माहेश्वरी, गजेन्द्र सिंह रावत, साजिद शेख, असलम मकरानी, मयंक विश्वकर्मा, ने श्रद्धांजलि अर्पित की।

रोटरी क्लब संजीवनी का फ्री अर्थो मेडिकल चैकप कैम्प सम्पन्न

150 से ज्यादा मरीजों को मिला लाभ

माही की गूंज, थांदला।

रोटरी क्लब संजीवनी थांदला के तत्वावधान में गुजरात के एसएच साजी ऑर्थोपेडिक हॉस्पिटल द्वारा वृहद रूप से फ्री अर्थो मेडिकल चैकप का आयोजन नगर के होटल महाराजा में किया गया। जिसमें गुजरात के दाहोद शहर के साजी अथोपेडिक हॉस्पिटल के मशहूर हड्डी एवं स्पाईन रोग विशेषज्ञ डॉ. महंमद अकरम ए साजी (एमबीबीएस, एमएसअर्थो) द्वारा रीढ़ की हड्डी का टेड़ा होना, कमर व गर्दन, शोल्डर व घुटने आदि जोड़ो के दर्द, टूटी हड्डियों आदि के गम्भीर 153 मरीजों का पंजीयन होकर उनके रोग का उचित परामर्श दिया गया। उक्त शिविर में मरीजों को निःशुल्क दवाई भी दी गई वही बाहर से आये मरीजों के भोजन आदि का प्रबंध भी संस्था द्वारा किया गया।

जानकारी देते हुए शिविर संयोजक रो. पवन नाहर ने बताया कि, शिविर में थांदला एवं निकट के मरीजों को उनके घर से लाने ले जाने के लिये लिए संस्था ने एम्बुलेंस की व्यवस्था भी की थी। नगर के प्रसिद्ध होटल महाराजा में शिविर का शुभारम्भ वरिष्ठ रोटेरियन समाजसेवी कमलेश दायजी, रोटे. राजेन्द्र व्होरा एवं रोटे. श्रेणिक गादिया ने गणेशजी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि के साथ दीप प्रज्वलित कर किया। पंजीयन का कार्य रोटे. उमेश ब्रजवासी, श्रीमती माया भटेवरा एवं रेखा सोनी ने किया। वही मरीजों की व्यवस्था में सचिव रोटे. पंकज चौरड़िया व रोटे. हुसैनी बोहरा ने जिम्मेदारी संभाली।

अध्यक्षीय स्वागत उदबोधन में रोटे. नीरज सौलंकी ने कहा कि, रोटरी क्लब अपना के संस्थापक अध्यक्ष रोटे. भरत मिस्त्री के प्रयासों से ही यह शिविर लग पाया है। उन्होंने डॉक्टर अकरम एवं सहयोगी टीम की प्रसंशा करते हुए कहा कि, डॉक्टर साहब ने तय समय से ज्यादा समय तक अपनी सेवाएं देकर नगर के सभी दर्दियों को लाभ पहुँचाया है इसके लिए संस्था उन्हें धन्यवाद ज्ञापित करती है। डॉक्टर अकरम ने भी संस्था के कार्यों एवं व्यवस्था पर संतोष जाहिर करते हुए कहा कि, आज तक शिविरों में इससे बेहतर व्यवस्था उन्होंने कही नही देखी। कार्यक्रम में सभी वरिष्ठ रोटेरियन सहित डॉक्टर एवं सहयोगी स्टॉफका सम्मान सभी रोटेरियन साथियों द्वारा किये गया। शिविर समारोह का सफल संचालन रोटे. प्रणव परमार ने व संयोजक रोटे. पवन नाहर ने आभार माना।

बहर-ए-इश्क़

दिया साथ हमने खुशी का भी कभी ग़म के साथ भी हो लिए,
तेरा नाम आया तो हंस दिए तेरी याद आइ तो रो लिए।
किसी एसे वेसे के सामने कभी दिल का राज़ न खोलिए,
बढ़े दिल पे बोझ कभी अगर तो ग़ज़ल के लहजे में बोलिए।
सदा याद रखियेगा ये सबक़ कहीं उड़ न जाए कोई वरक़,
ये जो ज़िन्दगी की किताब है इसे एहतेयात से खोलिए।
मुझे इसका कोई गिला नहीं ये तो अपना अपना नसीब है,
मेरी करवटों में गुज़र गई मगर आप चैन से सो लिए।
ये जो बहर-ए-'इश्क़ ÷मन्तशा÷ है कभी मुझसे पार न हो सका,
कभी में किनारे खड़ी रही कभी खुद सफ़ीने डूबो लिए।

लेखकः- कवित्री मंतशा बांद्रा

पिटोल हत्याकांड की जिम्मेदार जिले की लचर कानून व्यवस्था

अपराधियों में खौफ पैदा करने का नहीं, बढ़ावा देने का जिला पुलिस ने उठाया बीड़ा

जिले में बेखौफ होकर हथियार बंद घूमते बाहर के अपराधी

माही की गूंज झाबुआ, संजय भटेवरा।

जिले में इन दिनों अपराधों का ग्राफकुछ ज्यादा ही तेजी से बढ़ता जा रहा है। आए दिन लूट, डकैती, चोरी, चेनस्नेचिंग, ठगी, हत्या, हत्या का प्रयास जैसी घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही है। यह बढ़ती घटनाएं जिले में कानून व्यवस्था को भी धत्ता बता रही है। हम अपने पिछले अंक में भी जिले की कानून व्यवस्थाओं को लेकर लिख चुके है। मगर जिले में कानून व्यवस्थाओं का ढाचा ऐसा बिगड़ा हुआ है कि, बदलने का नाम नहीं ले रहा है।

जिले में अपराधों का ग्राफइस कदर बढ़ रहा है कि आए दिन अपराधी घटनाओं को अंजाम देने से नहीं चूक रहे है। हर रोज अखबारों के पन्ने ऐसी कई घटनाओं से भरे पड़े है जो जिले की कानून व्यवस्थाओं को लचर साबित करते है। मगर जिले का पुलिस अमला व उनके आला अधिकारी इन अपराधों को रोक पाने में नाकाम ही साबित हो रहे है। हालांकि होने वाले अपराधों में पुलिस कुछेक मामलों को ट्रेस करने में सफल भी हो रही है, लेकिन उसके मुकाबले अपराधों की संख्या कई गुना अधिक है। पुलिस और अपराधियों के बीच जैसे ''तू डाल-डाल तो मैं पात-पात'' वाली स्थिति बनी हुई है।

जिला मुख्यालय से लेकर कोई भी क्षेत्र ऐसा नहीं बच पा रहा है जहां अपराधी घटना को अंजाम नहीं दे रहे हों। हत्या, चोरी, लूट, चेनस्नेचिंग और ठगी जैसी वारदातें तो इन दिनों जिले में आम बात होती जा रही है। इस बात का कोई भरोसा नहीं कि कब, कौन, कहां से आकर आप पर हमला कर दे या हाथ साफ कर जाए। जिले का पेटलावद हो, थांदला हो, मेघनगर हो, पारा हो या पिटोल लगभग हर क्षेत्र में अपराधियों की जैसे बाढ़ आई हुई हो। कहीं दिन- दहाड़े व्यापारियों की दुकान से बैशकिमती जेवरात गायब हो जाते है तो कहीं अपराधी, महिलाओं को ठगी का शिकार बना लेते है। कहीं दिन-दहाड़े हत्या कर दी जाती है, तो कहीं एक ही रात में दो-तीन जगहों पर लूट को अंजाम दिया जाता है। यह सारी घटनाएं अखबारों की सुर्खियां बनती है मगर इन घटनाओं का कब और किस तरह खुलासा होगा यह जानने की कोई कोशिश नहीं करता। हालांकि जब भी पुलिस किसी मामले में कामयाबी हासिल करती है तो, सबसे पहले मीडिया को खबर देकर फोटो छपवाना नहीं भूलती।

अपराधियों में नही पुलिस का खौफ, आए दिन हो रही नित नई वारदातें, जनता में बढ़ता जा रहा पुलिस के प्रति अविश्वास

पुलिस को अब वारदातों को रोकना है तो अपराधियों में खौफ पैदा करना जरूरी

ताजी घटनाओं में सारंगी में एक बुजुर्ग के साथ ठगी का मामला सामने आया जिसमें अपराधी ने बुजुर्ग को लिफ्ट देने के बहाने नशीला पदार्थ सुंघाकर सोने की चेन व अंगूठी ठग ले गया। यह जिले में एक ही पैटर्न पर पिछले डेढ़ महीनें में की गई तीसरी घटना है। इसके अलावा थांदला कस्बे में पिछले एक सप्ताह में तीन स्थानों पर चोरो ने चोरी को अंजाम दिया। जिसमें बदमाशों ने लाखों रुपयों व लाखों के जेवरात पर हाथ साफ किया। इसी प्रकार पिछले माह पेटलावद के एक व्यापारी के यहां चोरों ने चोरी की वारदात को अंजाम दिया। जिसमें व्यापारी को काफी नुकसान हुआ। मेघनगर में 22 नवंबर को महिला के साथ ठग ने ठगी करते हुए सोने की चेन और चांदी की चूडियां उड़ा ली। इससे पहले जिला मुख्यालय पर एक अपराधी ने इसी तरह से ठगी के एक ही दिन में तीन प्रयास किए थे। जिसमें तीसरी बार में वह घटना को अंजाम देने मे सफल रहा था। इस मामले मे पुलिस की तफ्तीश कहां तक पहुंची है यह तो नहीं पता, लेकिन जिले में पुलिस की धीमी रफ्तार अपराधियों को प्रोत्साहित जरूर कर रही है। चोरी की घटनाएं तो जिले के किसी न किसी कस्बे में रोजाना घटने की खबरें मिल ही जाती है जिसके अपराध तक पुलिस दर्ज नही करती। वही जिले के अपराधियों में पुलिस का खौफलगभग खत्म सा हो गया है। बिना किसी खौफ के कहीं भी किसी भी घटना को अंजाम देने से अपराधी बाज नहीं आ रहे है।

रविवार रात पिटोल में एक मामूली विवाद ने इतना तूल पकड़ लिया कि इस विवाद में एक व्यक्ति को अपनी जान गवांनी पड़ी। रविवार देर रात नेशनल हाइवे स्थित नेशनल पेट्रोल पंप पर सीएनजी भरवाने आए कार सवार बदमाशों ने ग्राम कालिया बड़ा के रहने वाले विनोद मैड़ा की चाकू गोदकर हत्या कर दी। पंप पर वाहन में सीएनजी भरवाने आए हथियार बंद बदमाशों ने पैसे पुरे नहीं देने की बात पर पंपकर्मी से विवाद किया। झगड़ा बड़ा तो विनोद बीच-बचाव करने पहुंचा। इसी बीच बदमाशों में से एक युवक चाकू लेकर आया और विनोद पर लगातार चाकू से वार करते हुए हमला कर दिया, जिससे विनोद की मौके पर ही मौत हो गई। हमलावर बदमाश, विनोद की मौत से बेखबर अपनी कार छोड़कर भागे। जिनमें से ग्रामीणों की मदद से चार आरोपियों को पकड़ लिया गया और चार फरार हो गए। पुलिस के अनुसार 8 बदमाशों मे से एक दाहोद व 7 गोधरा के बताए जा रहे है। 4 आरोपियों के पकड़े जाने के बाद लोगों से हुई झूमा-झटकी में वे घायल हो गए, जिनमें से दो आरोपियों का जिला चिकित्सालय में उपचार कराया जा रहा है। खुले रूप से पिटोल में घटी इस घटना की जिम्मेदार जिले की लचर कानून व्यवस्था है। जिले में इस तरह हथियार बंद घूमते बाहरी अपराधिक तत्व कभी भी किसी भी घटना को अंजाम दे दे तो यह जिले की पुलिस पर नपुंसकता का ठप्पा लगाने जैसा ही है। इस तरह हथियार बंद बदमाशों का जिले में प्रवेश करना और हत्या जैसी घटना को अंजाम देना पुलिसिया कार्यप्रणाली पर सवाल तो खड़े करता ही है, साथ ही जिले की कानून व्यवस्था को चलर और बीमार भी साबित करता है।

हम अपने पिछले अंक में यह बता चुके है कि जब तक अपराधियों में पुलिस का खौफनहीं होगा, अपराधों में कमी नहीं आ सकती। इसलिए पुलिस अमले व पुलिस अधीक्षक को चाहिए कि, अपराधियों में खौफपैदा करे, वरना वह दिन दूर नहीं जब जिला अपराधिक दृष्टि से तीन दशक पूर्व की स्थिति में पहुंच जाए। तीन दशक पूर्व जिले में खुलेआम हाट बाजार लूट लिए जाते थे, खुले आम हत्याएं कर दी जाती थी, सरेआम डकैतियां होती थी। रात के समय में जिले में सफर करना मतलब मौत को दावत देने जैसा था। रात के समय में वाहनों को लूट लिया जाता था। लूट के समय अगर अपराधियों के कोई हत्थे चढ़ता तो मानों जान से गया। इन हालातों को बड़ी मुश्किलों और प्रयासों से जिले में रहे पूर्ववत पुलिस अधीक्षकों ने काबू पाया है। जिले से अपराधों को खत्म करने के लिए तत्कालीन पुलिस अधीक्षकों ने अपराधियों मे खौफपैदा किया था। इतना खौफपैदा किया था कि, जिले में रात को लगने वाली कानवाई लगभग बंद हो चुकी थी। अपराधी घटना को अंजाम देने में दस बार सोचते थे। ऐसे तत्कालीन पुलिस अधीक्षकों की फहरिस्त आज भी पुलिस अधीक्षक कार्यालय में टंगी हुई है, जो पुलिस अधीक्षक आशुतोष गुप्ता के लिए प्रेरणादायी हो सकती है।

भाजयुमो के नवमनोनीत जिलाध्यक्ष का किया गया स्वागत

माही की गूंज, झाबुआ।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष विष्णदुत्त शर्मा के निर्देश पर एवं भाजयुमो के प्रदेश अध्यक्ष की सहमति से तथा भाजपा जिलाध्यक्ष लक्ष्मणसिंह नायक की अनुसंशा पर भारतीय जनता युवा मोर्चा का नवीन जिलाध्यक्ष कुलदीपसिंह चौहान को मनोनीत किया गया है। यह घोषणा 14 दिसंबर, मंगलवार को दोपहर में हुई और इसी दिन रात्रि में नवीन जिलाध्यक्ष कुलदीपसिंह चौहान का शहर में जगह-जगह स्वागत किया गया।

जिसमें शहर के थांदला गेट पर थांदला गेट मित्र मंडल से जुड़े अमित कांठी, सौरभ कोठारी, रितेश राठौड़, चिराग सोलंकी, चिराग लखारा, सतीश लाखेरी, पिंटा सोनी, दिपांशु संघवी, प्रतीक बारिया, अभिषेक बारिया, पवन सोनी, रितिक बारिया सहित अन्य युवाओं ने मिलकर पुष्पमालाओं से स्वागत कर मिठाई खिलाकर मुंह मीठा करवाया। बस स्टैंड पर भी भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व नपा उपाध्यक्ष विजय चौहान के नेतृत्व में भाजपा के मीडिया सेल विभाग के जिला संयोजक जितेन्द्र जैन, भावेश उपाध्याय, मनीष ठाकुर, महेश पुरोहित, सोनू, उमंग, सौरभ एवं हिमांशु अरोड़ा आदि ने स्वागत कर आतिशबाजी की। बाद भायजुमो के नवीन जिलाध्यक्ष को इस नवीन दायित्व के लिए शुभकामनाएं प्रेषित की।

पिटोल हत्या कांड के 2 और आरोपी पुलिस गिरफ्त में आए

माही की गूंज, झाबुआ।

विगत 12 दिसंबर की देर रात्रि में नेशनल पेट्रोल पंप पिटोल पर विनोद मेड़ा का जघन्य हत्या कांड हुआ था। जिसकी सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक झाबुआ आशुतोष गुप्ता द्वारा मामले की गंभीरता को देखते हुए एसडीओपी झाबुआ ईडल मौर्य के नेतृत्व में विभिन्न टीमे बनाकर आरोपियों को जल्द से जल्द पकड़ने के निर्देश दिए गए एवं इस प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए लगातार मॉनिटरिंग की जा रहीं थी।

जानकारी देते हुए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आनंदसिंह वास्कले ने बताया कि इस जघन्य हत्याकांड में 4 आरोपियों को पुलिस ने घटना के तत्काल बाद पहले ही गिरफ्तार कर लिया था। शेष 04 आरोपी फरार थऐ जिसके लिए पुलिस टीम को गोधरा ;गुजरातद्ध के लिए रवाना किया गयाए जो घटना के बाद से ही 2.3 दिन से गौधरा में थी। लगातार बचे हुए आरोपियों को पुलिस गिरफ्त में लेने हेतु प्रयास किए जा रहे थे। इसके संबंध में पुलिस अधीक्षक झाबुआ आशुतोष गुप्ता द्वारा लगातार मॉनिटरिंग की जा रहीं थी। वहीं संबंधित जिले के वरिष्ठ अधिकारियों से लगातार संपर्क में थे।

इसी तारतम्य में 15 दिसंबरए बुधवार को फरार 4 आरोपियों में से 2 आरोपी फैजान पिता गोडड मेहबूब एवं आरोपी शाहिद पिता इदरीश बंगाली को स्थानीय पुलिस की भरपूर मद्द से झाबुआ पुलिस ने पकड़ने में सफलता प्राप्त की है। जिनको बुधवार को माननीय न्यायालय पेश किया गया। झाबुआ पुलिस की टीम में उप निरीक्षक श्याम कुमावतए प्रधार आरक्षक रईसए आरक्षक अंतिम अलावाए चालक आशीष द्वारा लगातार बाकी बचे हुए 2 आरोपियों को भी गिरफ्तार करने का प्रयास किया जा रहा है।

पुलिस अधीक्षक आशुतोष गुप्ता ने बताया कि विनोद मेड़ा हत्याकांड में अब तक कुल 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। शेष बचे 2 आरोपियों को भी जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा। उन्हें भी माननीय न्यायालय में पेश कर जेल भेजने की कार्रवाई की जाएगी।

कुछ ही घंटों मे पुलिस ने किया अंधे कत्ल का पर्दाफाश, फरियादी भाई ही निकला हत्यारा

माही की गूंज, पेटलावद।

जिले की पेटलावद पुलिस ने पुलिस अधीक्षक आशुतोष गुप्ता के निर्देशन मे कुछ ही घंटों के भीतर एक अंधे कत्ल का खुलासा करते हुए हत्या को अंजाम देने वाले मृतक के भाई ओर पत्नी को गिरफ्तार कर लिया है। यह हत्या देवर-भाभी के अवैध संबंध के परिणाम स्वरूप हुई थी।

ये है मामला

13 दिसम्बर को सारंगी पुलिस चौकी पर पहुंचकर फरियादी सोनू निवासी उनालुपाडा ने पुलिस को सूचित किया कि, उसका भाई दिनेश रात्रि मे करीब 9 बजे घर से खेत पर सिंचाई के लिए गया था जो सुबह तक घर नही लौटा। इस पर गांव वालों ने तलाश की तो भाई दिनेश की टोपी खेत मे बने उसके स्वयं के कुंए मे तैर रही थी। फरियादी ने पुलिस को आशंका जताई की उसके भाई की मौत कुंए मे डूबने से हुई होगी। सुचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव कुएँ से बरामद किया ओर मर्ग कायम कर शव को पोस्टमार्टम के लिए रवाना किया। साथ ही एक फॉरेंसिक टीम घटनास्थल पर पहुंचीं।

मृतक का शरीर दे गया हत्या की गवाही

घटना की सुचना के बाद पुलिस की टीम जिसमे एफएसएल यूनिट, डाग युनिट, फिंगरप्रिंट यूनिट भी शामिल थी। घटनास्थल पर पहुंची ओर घटनास्थल का बारीकी से मुआयना किया ओर कुंए से शव को निकाला गया। चूंकि घटना एक अंधा कत्ल था इसलिए फोरेंसिक अधिकारी डॉ. आरएस मुजाल्दा को सुबह से ही सक्रिय कर दिया गया। एफएसएल टीम को घटनास्थल की परिस्थितिया घटना के संदेहास्पद होने का अहसास करा रही थी।यह संदेश विश्वास मे तब बदल गया जब दिनेश के शव पर चोट के निशान देखे गए। घटनास्थल पर सारे तकनीकी ओर जरूरी साक्ष्य जुटाने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए रवाना किया गया ओर पोस्टमार्टम डाक्टरों के पैनल से करवाया गया। मृतक दिनेश की पोस्टमार्टम रिपोर्ट में उसकी मौत का कारण होमो साइडल नेचर का होना बताया गया। तकनीकी ओर अन्य साक्ष्य जुटाने के बाद पुलिस के पास फरियादी सोनू पर शक करने की कई वजह ओर सवाल थे जैसै, घटनास्थल कुंआ ओर सोनू का घर पास ही है अगर कुछ हुआ होगा तो सोनू को आवाज क्यों नहीं सुनाई दी...?

मृतक की पत्नी आखिर मृतक से दूर क्यों रह रही थी...?

खुद फरियादी के रूप मे पुलिस के पास पहुंचे सोनू ने पुलिस से कुंए मे डूबकर दिनेश की मौत की आशंका क्यों जताई! हत्या की आशंका क्यों नहीं जताई...? एफएसएल जांच ओर पोस्टमार्टम रिपोर्ट के साथ मौके से बरामद साक्ष्य भी सोनू के खिलाफइशारा कर रहे थे।

पूछताछ मे टुट गया सोनू, कबूली हत्या की बात

पुलिस की सभी टीमों ने घटनास्थल की परिस्थितियों से पुलिस अधीक्षक आशुतोष गुप्ता को अवगत करवाया। पुलिस अधीक्षक ने कडियों को जोडकर कुछ सवाल सोनू से करने के निर्देश दिए। इन सवालों के सही जवाब देने से सोनू बचता रहा ओर पुलिस को घुमाने की कोशिश करता रहा लेकिन जब पुलिस ने सख्ती से पूछताछ की सोनू ने अपना जुर्म कबूल कर लिया ओर पुलिस को बताया कि, उसके अपनी भाई सुमित्रा (मृतक दिनेश की पत्नी) के साथ अवैध संबंध बन गये थे। जिसकी जानकारी मृतक दिनेश को हो गई थी। इसके चलते घर मे हुए विवाद के बाद सुमित्रा दिनेश के घर से चली गयी थी ।लेकिन उसके संबंध सुमित्रा से जारी रहे। सुमित्रा लगातार सोनू से कहती थी कि, जब तक दिनेश है तब तक वह उसके साथ नही आ सकती। दिनेश रूपी कांटा जब रास्ते से हटेगा तभी वह सोनू के साथ रहने घर आ जाएगी। सोनू ने सुमित्रा के उकसावे पर ओर हमेशा के लिए उसे पाने के लिए घटना के दिन खेत के कुएं पर पहुंचकर पहले अपने भाई दिनेश से विवाद किया ओर फिर उसके सिर पर पहले पत्थर ओर अधमरा होने पर फावड़े से सिर पर वार किए, फिर दिनेश को कंधें पर उठाकर कुंए मे फेंक दिया ओर सुबह आकर पुलिस चौकी पर कहानी गढते हुए सुचना दी। पुलिस ने मामले मे सोनू पिता केसू बंजारा ओर सुमित्रा पति दिनेश बंजारा निवासी उनालुपाडा को गिरफ्तार कर लिया है एवं आरोपी की निशानदेही पर घटना से संबंधित विभिन्न साक्ष्यो को जप्त किया गया।

आरोपी सोनू के खुन आलुदा कपड़े, घटना स्थल पर पड़ा खुन, आलुदा मिट्टी, सादा मिट्टी, घटना में प्रयुक्त पत्थर, घटना में प्रयुक्त फावड़ा आदि जप्त किया गया।

पिटोल कस्बे में हुए हत्याकांड से जनता में भारी आक्रोश

हत्या के विरोध में हिन्दू जनजाति संगठन ने करवाया जिला बंद

माही की गूंज, झाबुआ।

रविवार रात पिटोल में हुए हत्याकांड के बाद लोगों में भारी आक्रोश देखने को मिला। घटना के विरोध में पिटोल दो दिन तो जिला एक दिन संपूर्ण बंद रहा। रविवार रात हुए हत्याकांड के विरोध में विभिन्न आदिवासी संगठनों द्वारा मंगलवार को घटना में लिप्त फरार 4 आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी एवं जिले में लगातार बढ़ रही आपराधिक घटनाओं पर अंकुश लगाने के चलते बंद का आव्हान किया गया था। आदिवासी संगठनों ने व्यापारियों से सहयोग की अपेक्षा भी की थी। जिसके चलते घटना की गंभीरता को देखते हुए आदिवासी संगठनों का समर्थन करते हुए सकल व्यापारी संघ ने नगर बंद रखने का निर्णय लिया था। इसको लेकर सोमवार रात शहर में मुनादी भी करवाई गई।

मंगलवार को पिटोल में हुए हत्याकांड के विरोध में शहर पूर्णतः बंद रहा। पिटोल कस्बा भी हत्याकांड के विरोध में मंगलवार को दूसरे दिन भी बंद रहा। पिटोल में सोमवार को सभी व्यापारिक प्रतिष्ठान बंद रखे गए। गांव के लोगों ने पुलिस चौकी पहुंचकर ज्ञापन भी दिया। इस दौरान कुछ लोगों ने तीन-चार कच्ची दुकानो को भी नुकसान पहुंचाया, नेट से बनी इन दुकानों से मीट का व्यवसाय किया जाता है, घटना के बाद गांव में पुलिस बल तैनात कर दिया गया। मंगलवार को जिला मुख्यालय पर सभी व्यापारिक प्रतिष्ठान बंद रहे। हालांकि आपातकाल सुविधाओं को इस बंद से दूर रखा गया। अस्पताल, मेडीकल, शैक्षणिक संस्थाओं, यात्री बसों को भी बंद से अलग रखा गया। बंद के दौरान शहर में बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात रहा। हिन्दू जनजाति संगठन के साथ ही नगर के सभी हिन्दुवादी संगठनों ने शहर में रैली निकालते हुए पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन दिया। ज्ञापन में घटना के 4 फरार आरोपियों की त्वरित गिरफ्तारी तथा अपराधियों को कड़ी से कड़ी सजा देने की मांग की गई। बंद के दौरान शहर में सामान्य आवाजाही बनी रही।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, अलका भटेवरा द्वारा काम्पेक प्रिन्टर्स प्रायवेट लिमिटेड, 3/54, प्रेस कॉम्प्लेक्स, ए. बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 499, बाजना मार्ग, गणेश मंदिर के सामने, खवासा, तहसील थांदला, जिला-झाबुआ (म.प्र.) से प्रकाशित। प्रधान संपादक- संजय भटेवरा, संपादक- धर्मेन्द्र पंचाल । मोबाइल नं. -95898-82798 (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र झाबुआ रहेगा) आरएनआई नंबर- एमपीएचआईएन/2018/76422